

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

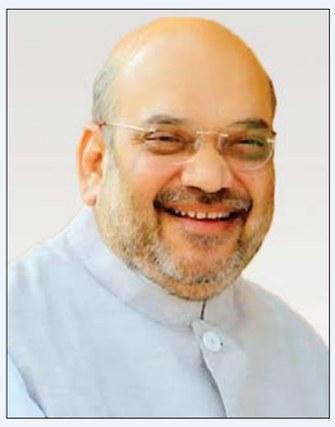
लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 18 अंक - 22 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 03 नवम्बर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-





भव्य समापन आज, केंद्रीय गृह मंत्री के हाथों राज्य अलंकरण



रायपुर। तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ राज्योत्सव का भव्य समापन आज केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य में होगा। अध्यक्षता मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय करेंगे। केन्द्रीय गृहमंत्री प्रदेश की विभिन्न विधाओं और क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों को राज्य अलंकरण से सम्मानित भी करेंगे। मुख्य मंच पर शाम 6 से 6.30 बजे तक दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के कलाकार लोकसंगीत की मनमोहक प्रस्तुतियां देंगे। 6.30 से 7 बजे तक छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध पंडवानी कलाकार पद्मश्री सुश्री उषा बारले अपनी प्रस्तुति देंगी। 7 बजे से 9 बजे तक राज्य अलंकरण समारोह होगा। इसके पश्चात पार्श्व गायक अभिजीत भट्टाचार्य की संगीतमय प्रस्तुति होगी।

शिल्पग्राम मंच पर प्रस्तुतियां दोपहर 3 बजे से प्रारंभ होंगी। यहां रायपुर की आस्था भट्ट का भजन, दुर्ग की श्रीमती आरती बारले का पंथी नृत्य, कबीरधाम के राकेश सेन की लोकमंच प्रस्तुति होगी। रायपुर के दिनेश कुमार जांगड़े पंथी प्रस्तुत करेंगे, वहीं सुश्री पूर्णिमा साहू जसगीत एवं जगराता भजनों की प्रस्तुति देंगी। अभिषेक सोनकर की आदिवासी लोकसंगीत एवं नृत्य प्रस्तुति के अलावा श्रीमती दीपाली पाण्डेय कथक समूह नृत्य प्रस्तुति देंगी। सुश्री अनुष्णा रॉय चौधरी कथक की प्रस्तुति देंगी। वृद्धुमन वचस्पति भारती का सूफी संगीत, आनंदकुमार पाण्डेय की नाट्य प्रस्तुति भी विशेष आकर्षण होगी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की समृद्ध कला, संस्कृति, लोकपरंपराओं और जनजातीय विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

दिवाली से नई कॉम्बैट वर्दी में नजर आएंगे सीआईएसएफ के दो लाख से अधिक अधिकारी और जवान

नई दिल्ली (ए.)। सीआईएसएफ के दो लाख से अधिक जवान और अफसर जल्द ही एयरपोर्ट, मेट्रो और संसद समेत अन्य फील्ड और ऑपरेशंस के दौरान नई कॉम्बैट वर्दी में नजर आएंगे। कॉम्बैट वर्दी में यह बदलाव दिवाली से शुरू होकर अगले साल 26 जनवरी तक फील्ड और ऑपरेशंस ड्यूटी में लगने वाले तमाम जवानों और अफसरों के लिए है।

सीआईएसएफ ने 20 साल बाद अपनी वर्दी में बदलाव किया है। कुछ जवान और अफसर नई वर्दी में नजर आने भी लगे हैं। लेकिन इसमें बड़े स्तर पर बदलाव दिवाली के बाद से शुरू होंगे। इससे पहले सीआरपीएफ और बीएसएफ में भी पुरानी कॉम्बैट वर्दी की जगह नई वर्दी लगाई गई थी। गृह मंत्रालय की मंजूरी मिलने के बाद कॉम्बैट यूनिफॉर्म के लिए टेंडर जारी किए जा रहे हैं।



अधिकारियों ने बताया कि नई वर्दी को आधुनिक डिजिटल पैटर्न पर तैयार किया गया है। इसकी नकल करना मुश्किल है और सुरक्षा के लिहाज से भी यह कहीं अधिक सुरक्षित है। वर्दी में बदलाव दिवाली से शुरू होकर 26 जनवरी तक फील्ड ड्यूटी के जवानों के लिए होगा ताकि इस दौरान वे अपनी पहचान सुरक्षित रख सकें।

सीआरपीएफ की बड़ी उपलब्धि

सीआरपीएफ के 47 साल के इतिहास में इस साल ऐसा पहली बार ऐसा हुआ है, जब किसी जवान को शहादत नहीं देनी पड़ी है। खासतौर पर तब, जब इस दौरान जवान जम्मू-कश्मीर के अलावा वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों और मणिपुर जैसे हिंसाग्रस्त इलाकों में जोखिम भरे ऑपरेशनों में शामिल होते रहे हैं।

हरित ऊर्जा की भागीदारी 45 फीसद करने की योजना

2030 तक छत्तीसगढ़ में 15 हजार मेगावाट तक हरित ऊर्जा का लक्ष्य

- नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन में 130 से अधिक देश दे रहे भागीदारी
- मुख्यमंत्री साय ने निवेशकों से की चर्चा, छत्तीसगढ़ के स्टॉल का किया अवलोकन

श्रीकंचनपथ समाचार

नई दिल्ली/रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ के ऊर्जा क्षेत्र में आगामी पांच सालों में लगभग 5.60 लाख करोड़ रुपए के निवेश की संभावना जताई है। उन्होंने इसके लिए देश-विदेश के निवेशकों और उद्योग जगत को आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री श्री साय नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित गोल मेज सम्मेलन में केंद्रीय मंत्रियों और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों की उपस्थिति में आयोजित उच्चस्तरीय गोलमेज बैठक में यह जानकारी साझा की।

सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी तथा केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीपाद नाइक भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2030 तक प्रदेश की हरित ऊर्जा क्षमता को वर्तमान 3 हजार मेगावाट से बढ़ाकर 15 हजार मेगावाट करने का लक्ष्य रखा है। इसके साथ ही बिजली की कुल मांग में हरित ऊर्जा की हिस्सेदारी वर्तमान 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 45 प्रतिशत से अधिक करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।



सरकार ने ऊर्जा क्षेत्र के विस्तार के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की है। 23 हजार 923 मेगावाट क्षमता की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में लगभग 1.33 लाख करोड़ रुपए तथा ताप विद्युत उत्पादन क्षमता के विस्तार में लगभग 3.27 लाख करोड़ रुपए के निवेश की योजना है।

राष्ट्रीय लक्ष्य में योगदान देगा छत्तीसगढ़ : साय



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वर्ष 2030 तक गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों से 500 गीगावाट बिजली उत्पादन क्षमता विकसित करने का राष्ट्रीय लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में छत्तीसगढ़ महत्वपूर्ण योगदान देगा।

4 हजार मेगावाट बिजली

राज्य में 4 हजार 200 मेगावाट क्षमता के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों सहित विभिन्न ऊर्जा परियोजनाओं में लगभग 1.60 लाख करोड़ के निवेश की परिकल्पना की गई है।

ऊर्जा भंडारण सुविधाओं पर जोर

प्रदेश में ऊर्जा भंडारण सुविधाओं के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। 12 हजार 300 मेगावाट की क्षमता वाली 10 पंप स्टोरेज जल विद्युत परियोजनाओं की पहचान की गई है। इनमें 65 हजार करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव है। अगले दो वर्षों में प्रदेश में 10 हजार मेगावाट-घंटे क्षमता की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली स्थापित करने की योजना है।

बायोगैस, एथेनॉल, ग्रीन हाइड्रोजन

कृषि अवशेष, गोबर और अन्य जैविक संसाधनों से कंप्रेस्ड बायोगैस, बायो-एथेनॉल और ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन की व्यापक संभावनाएं हैं। 80 मीट्रिक टन क्षमता वाले आठ कंप्रेस्ड बायोगैस संयंत्र स्थापित किया जा रहा है। इनमें 800 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित है। निजी निवेशकों से प्राप्त लगभग 6 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों पर भी प्रक्रिया जारी है।

पुष्कर मेले में इस बार बकरियों की भी प्रतियोगिता, चुनी जाएगी 'पुष्कर सुंदरी'

अजमेर (ए.)। तीर्थराज पुष्कर के विश्वविख्यात धार्मिक एवं पशु मेले में इस बार एक नया और बेहद अनोखा आकर्षण जुड़ने जा रहा है। अब तक केवल घोड़ों और ऊंटों की चाल, सुंदरता और करतबों के लिए पहचाने जाने वाले इस मेले में इस वर्ष सिरोही और सोजत नस्ल की बकरियों का भी जलवा देखने को मिलेगा।



मेले के दौरान आयोजित होने वाली इस सौंदर्य प्रतियोगिता में अपनी बेहतरीन कद-काठी, शारीरिक बनावट और खूबसूरती से सबका ध्यान खींचने वाली बकरियों को 'पुष्कर सुंदरी' का ताज पहनाया जाएगा।

पुष्कर मेला 17 नवंबर से 24 नवंबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा। हालांकि, पशु मेला और अन्य गतिविधियां 10 नवंबर से 26 नवंबर 2026 तक चलेंगी।

इस सौंदर्य प्रतियोगिता में विशेष रूप से राजस्थान की प्रसिद्ध सिरोही और सोजत नस्ल की बकरियों को शामिल किया जाएगा। इन दोनों नस्लों की पूरे देश में जबरदस्त मांग और खास पहचान है।

पशुपालन विभाग के अनुसार, इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य इन उत्कृष्ट नस्लों का संरक्षण, संवर्धन और प्रसार करना है। इसके साथ ही, दूर-दराज से आने वाले पशुपालकों को अपनी उन्नत नस्लों के प्रदर्शन के लिए एक बड़ा राष्ट्रीय मंच भी प्राप्त होगा।

पतंजलि का 2,279 लीटर घी एफडीए ने किया जब्त

मुंबई। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने स्पेशल कैंपेन चलाकर खाद्य कारोबार से जुड़ी 19 इकाइयों के लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं। इनमें पतंजलि आयुर्वेद का एक वितरक भी शामिल है। इस दौरान नौ करोड़ से अधिक मूल्य के खाद्य पदार्थ जब्त किए गए। पतंजलि आयुर्वेद के सुपर डिस्ट्रीब्यूटर मेसर्स दिव्य महावितरक से 20.20 लाख रुपये मूल्य का 2,279.7 लीटर पतंजलि गाय का घी जब्त किया गया। इस घी की लेबलिंग गलत होने और इसमें मिलावट का संदेह है। घी की 4,032 इकाइयां जब्त की गईं। इनमें 12.29 लाख मूल्य की 1,349.1 लीटर की 2,998 इकाइयां और 7.91 लाख मूल्य की 930.6 लीटर की 1,034 इकाइयां शामिल हैं।

23 साल की आयु पूरी करते ही मोनिका के खाते में आए पीएम केयर्स फंड के 10 लाख



रायपुर। पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के अंतर्गत बालोद जिले की मोनिका बघेल को 23 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर 10 लाख रुपये की एकमुश्त सहायता राशि प्रदान की गई है। भारत सरकार की ओर से यह राशि उनके बैंक खाते में अंतरित की गई। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने मोनिका को डेमो चेक प्रदान किया। पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना की शुरुआत 29 मई 2021 को कोविड-19 महामारी से प्रभावित उन बच्चों को सहायता देने के उद्देश्य से की गई थी, जिन्होंने महामारी के दौरान अपने माता-पिता, कानूनी अभिभावक या दत्तक माता-पिता को खो दिया था। योजना के तहत प्रत्येक पात्र बच्चे के नाम पर 10 लाख रुपये का कॉर्पस फंड तैयार किया जाता है।

राज्योत्सव के दूसरे दिन 'मैं अयोध्या हूँ' का मंचन स्वास्ति मेहुल के भक्ति गीतों में सराबोर हुए श्रोता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्योत्सव के दूसरे दिन मुख्य मंच पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों को भारतीय संस्कृति की गौरवशाली विरासत से परिचित कराया। वहीं छत्तीसगढ़ी लोकसंगीत, शास्त्रीय नृत्य और आधुनिक संगीत की प्रस्तुतियों ने राज्योत्सव की शाम को यादगार बना दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यपाल रमेन डेका ने दूसरे दिन प्रस्तुति देने वाले कलाकारों को सम्मानित कर बधाई दी।

मुख्य मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत विशेष नाट्य प्रस्तुति 'मैं अयोध्या हूं' से हुई। एक घंटे के नाटक में अयोध्या की ऐतिहासिक, धार्मिक और आध्यात्मिक विरासत को प्रभावशाली अभिनय एवं कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। नाट्य मंचन में भारतीय संस्कृति, आस्था, परंपराओं और गौरवशाली इतिहास की झलक देखने को मिली। कलाकारों ने



अपने सशक्त अभिनय से भारतीय सांस्कृतिक चेतना और आध्यात्मिक मूल्यों को जीवंत किया और राम मंदिर निर्माण के इतिहास, आस्था और संस्कृति के इस अनूठे संगम ने दर्शकों को देश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं से परिचित कराया।



राज्योत्सव की सांस्कृतिक संध्या में राम आयेंगे फेम प्रसिद्ध पार्श्व गायिका सुश्री स्वास्ति मेहुल ने अपनी सुरीली आवाज और भक्ति प्रस्तुति से राज्योत्सव की शाम को भक्ति के रस में सराबोर कर दिया। उन्होंने अपनी प्रस्तुति से आम जन को भक्ति मय माहौल बना दिया।

'राम आएंगे.....' में जहां लोग झूमते नजर आए और 'कान्हा आन बसो वृंदावन...' ने लोगों को वृंदावन की कृष्ण भक्ति धारा में विभोर कर दिया।

छत्तीसगढ़ी पार्श्व गायिका कंचन जोशी ने छत्तीसगढ़ी गानों से सभी का मन मोह लिया। मोला ले दे ना राजा सोन के नथनी....., मोर मन झूमे.....और कर ले तै मया के चिन्हारी..... गानों को सुन कर श्रोता बरबस ही अपनी जगह पर ही झूमने लगे। कंचन जोशी ने छत्तीसगढ़ी गानों की मिठास से सभी को सम्मोहित कर लिया।

शिल्पग्राम के मंच पर बिखरा स्थानीय कला का जादू

शिल्पग्राम में आयोजित 11 सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में लोकसंगीत, पंडवानी, सुआ नृत्य, ओडिसी, कथक, सूफी संगीत, गजल और लोकमंच जैसी विविध कलाओं का आकर्षक संगम देखने को मिला। श्रीमती प्रसन्ना अवस्थी ने लोकसंगीत एवं नृत्य तथा सुश्री सुष्मिता दास ने ओडिसी नृत्य की प्रस्तुति दी। दुर्ग की सुश्री समप्रिया पूजा निषाद ने पंडवानी प्रस्तुत किया। बिलासपुर के अंकित निर्मलकर ने सूफी, गजल एवं सुगम गायन के माध्यम से संगीत के विविध रंग बिखेरे। गरियाबंद की सुश्री मिलवंतीन बाई ने पारंपरिक सुआ नृत्य की मनमोहक झलक प्रस्तुत की। रायपुर की सुश्री मेघा बोस ताम्रकार ने लोकसंगीत की प्रस्तुति दी। वहीं सुश्री आंचल पाण्डेय और श्रीमती विनीता त्रिपाठी ने कथक नृत्य के माध्यम से भारतीय शास्त्रीय नृत्य परंपरा की सुंदर अभिव्यक्ति की। धमतरी की सुश्री रुखमनी दीवान और तेजराम साहू ने लोकमंच के माध्यम से छत्तीसगढ़ी लोकजीवन, परंपराओं और सामाजिक संस्कृति को प्रस्तुत किया। आदित्य मिश्रा बैंड की संगीतमय प्रस्तुति ने भी सांस्कृतिक आयोजन में विशेष रंग भरे। शिल्पग्राम में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छत्तीसगढ़ की पारंपरिक लोककलाओं की विशेष झलक देखने को मिली। पंडवानी गायन के माध्यम से महाभारत की कथाओं को विशिष्ट गायन और अभिनय शैली में प्रस्तुत किया गया। वहीं पारंपरिक सुआ नृत्य ने छत्तीसगढ़ के सामूहिक जीवन, लोकआस्था और सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत किया। ओडिसी और कथक नृत्य की प्रस्तुतियों ने भारतीय शास्त्रीय कला की समृद्ध विरासत को प्रदर्शित किया। सूफी संगीत, गजल और सुगम गायन ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में संगीत के विविध रंग जोड़े।



संपादकीय

फिर हेलीकॉप्टर हादसा

तीर्थयात्रियों की सुरक्षा मुनाफे की ताक पर

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि उत्तराखंड में तीर्थयात्रियों को ला रहा एक हेलीकॉप्टर फिर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में बद्रीनाथ से देहरादून लौट रहे पांच तीर्थयात्रियों और पायलट समेत छह लोगों की मौत हो गई। जटिल भौगोलिक परिस्थितियों के चलते पहाड़ी इलाकों में हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने पर यात्रियों के बचने की संभावना ना के बराबर होती है। यदि राहत व बचाव का कार्य शुरू भी किया जाए तो विषम परिस्थितियों में यह संभव नहीं हो पाता। लेकिन बेहद ऊंचे हिमालयी इलाकों में हेलीकॉप्टर सेवा को लेकर जो अतिरिक्त सुरक्षा सावधानी बरती जानी चाहिए, वह नजर नहीं आती। लगता हेलीकॉप्टर सेवा संचालित करने वाली कंपनियां यात्रियों की सुरक्षा के बजाय अपने मुनाफे को ही प्राथमिकता दे रही हैं। विडंबना यह है कि उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के दौरान ऐसे हादसे लगातार होते रहे हैं। बल्कि हादसों के बाद कुछ समय के लिये हेलीकॉप्टर सेवाओं को रोका भी गया था। लेकिन फिर 'वही ढाक के तीन पात' वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में इस हिमालयी राज्य में हेलीकाप्टर हादसे और इमरजेंसी की स्थिति में हेलीकॉप्टर उतारने की कई घटनाएं सामने आई हैं। जिसके चलते निजी कंपनियों द्वारा हवाई सेवा के परिचालन के तौर-तरीकों और तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े होते रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इस बाबत गत वर्ष जुलाई में संसद में नागरिक उड्डयन मंत्रालय की तरफ से आधिकारिक जानकारी संसद को दी गई थी। जिसमें बताया गया कि साल 2020 के बाद देश में बारह हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएं हुई थी। दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि इनमें से सात दुर्घटनाएं सिर्फ उत्तराखंड में हुई थीं। इन हादसों में जिन तीस लोगों की मृत्यु हुई, उनमें से इक्कीस सिर्फ उत्तराखंड में हुए हादसों में मारे गए। जिससे उत्तराखंड में चारधाम यात्रा में हवाई सेवा देने वाली कंपनी की सुरक्षा नीति और विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठने स्वाभाविक ही हैं। इन हादसों के बाद हुए व्यापक विरोध के चलते कुछ समय हेलीकॉप्टर सेवा का परिचालन स्थगित भी किया गया था।

> विडंबना यह है कि उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के दौरान ऐसे हादसे लगातार होते रहे हैं। बल्कि हादसों के बाद कुछ समय के लिये हेलीकॉप्टर सेवाओं को रोका भी गया था। लेकिन फिर 'वही ढाक के तीन पात' वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में इस हिमालयी राज्य में हेलीकाप्टर हादसे और इमरजेंसी की स्थिति में हेलीकॉप्टर उतारने की कई घटनाएं सामने आई हैं।

यहां सवाल उठना स्वाभाविक है कि इन हादसों के बाद भी नियामक संस्थाएं तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराने वाली कंपनी की जवाबदेही क्यों तय नहीं कर रही हैं? सवाल यह भी है कि तीर्थ यात्रियों का जीवन खतरे में डालने वाली कंपनी के मालिक व अधिकारियों को क्या कभी जवाबदेह ठहराया गया? क्या कंपनी पर कभी जुर्माना लगाया गया? बीच में सेवा को स्थगित किया था,तो क्या इस सेवा को फिर से शुरू करने के लिये सुरक्षा मानकों पर कंपनी खरी उतरी थी? यदि खरी उतरी थी तो यह नया हादसा कैसे हुआ? जाहिर है, इस हेलीकॉप्टर सेवा के दौरान सिर्फ कंपनी के मुनाफे को प्राथमिकता दी जा रही है। यह सर्वविदित है कि बद्रीनाथ व केदारनाथ आदि तीर्थ बेहद ऊंचाई पर स्थित हैं। जहां लगातार मौसम अचानक बदलता रहता है। मौसम खराब होने पर हवाई यात्रा जोखिमभरी होती है। जिसके चलते बदलते मौसम को लेकर भी सतर्कता बरतनी बेहद जरूरी है। वहीं दूसरी ओर तीर्थयात्रियों का हादसे का शिकार होना, श्रद्धालुओं की आस्था व विश्वास को भी प्रभावित करता है। उनके मन में कई तरह के संशय पैदा करता है। यह विडंबना है कि इस हिमालयी राज्य में धार्मिक पर्यटन में वृद्धि और हेलीकॉप्टर से श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने के बावजूद सुरक्षा के मानकों के प्रति सरकार ने गंभीरता नहीं दिखायी। यदि शुरुआती हादसों के बाद कंपनी का लाइसेंस स्थगित करके जवाबदेही तय की जाती तो शायद फिर इन दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होती। फिर सुरक्षित सफर के लिये हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराने वाली कंपनी आवश्यक सावधानी का अनिवार्य रूप से पालन करती। यह निर्विवाद तथ्य है कि सुविधाओं के विस्तार के साथ इस संवेदनशील इलाके में सुरक्षा सबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। मौसम के तेवर में बदलाव और मामूली तकनीकी त्रुटि तीर्थयात्रियों के लिये जानलेवा ही साबित होती है। यह विडंबना ही कि सरकारें तीर्थस्थलों व पर्यटन स्थलों पर यात्रियों को लुभाने के लिये तमाम तरह के सब्जबाग तो दिखाती हैं लेकिन जोखिम मुक्त यात्रा सुनिश्चित करने को लेकर प्रतिबद्धता नजर नहीं आती।

एआई के दौर में साइबर सुरक्षा की चुनौती

दिनेश सी शर्मा

पिछले दिनों साइबर हमलों में भारी वृद्धि ने कई देशों में ऑनलाइन सेवाओं को पंगु कर डाला। इन हमलों के व्यापक दायरे को देखते हुए, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने इसे 'ब्लैक अक्तूबर' का नाम दिया है, जबकि कुछ इसे वल्नरेबिलिटी की प्रलय कह रहे हैं।

साइबर हमलों में भारी वृद्धि ने कई देशों में ऑनलाइन सेवाओं को पिछले दिनों पंगु कर डाला। बैंक, बीमा कंपनियां, सरकारी सेवाएं, शिक्षा और यूटिलिटी सेवाएं कई मामलों में प्रभावित हुई हैं। जापान की एक ऑनलाइन वित्तीय सेवा कंपनी ने अपने विदेशी मुद्रा व्यापार प्लेटफॉर्म पर हुए साइबर हमले के कारण ग्राहकों को हुए नुकसान की भरपाई करने का फैसला किया है।

अमेरिका में, कई सरकारी और निजी वेबसाइटों को अपने सिस्टम में बचाव के उपाय करने के लिए कुछ समय के लिए ऑफलाइन करना पड़ा। टेक्सास की एक यूटिलिटी कंपनी ने डेटा लीक होने की सूचना दी, जिससे दस लाख से अधिक निवासी प्रभावित हुए और उनकी निजी जानकारी उजागर हो गई। भारतीय स्टेट बैंक के लगभग 4,000 ग्राहकों का डेटा लीक हो गया, जबकि तेलंगाना सरकार की औद्योगिक मंजूरी से जुड़ी एक वेबसाइट को हैक कर लिया गया। इन हमलों के व्यापक दायरे को देखते हुए, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने इसे 'ब्लैक अक्तूबर' का नाम दिया है, जबकि कुछ इसे 'वल्नपोकैलिप्स' यानी वल्नरेबिलिटी की प्रलय कह रहे हैं।

साइबर हमला तब होता है, जब किसी वेबसाइट को चलाने वाले सॉफ्टवेयर में सेंध लगाने की गुंजाइश होती है। सुरक्षा विशेषज्ञों का काम ऐसी कमियों का पता लगाना और उन्हें ठीक करना होता है। हालांकि, यह पूरी प्रक्रिया उतनी आसान नहीं है, जितनी सुनने में लगती है। इसमें कई तरह के सॉफ्टवेयर प्रोग्राम शामिल होते हैं जैसे कि ऑपरेटिंग सिस्टम, एप्लिकेशन, फर्मवेयर, क्लाउड, डेटाबेस मैनेजमेंट, नेटवर्किंग, एंटरप्राइज प्लानिंग, सप्लाई चेन आदि और इनकी खरीद अलग-अलग आपूर्तिकर्ताओं या वेंडरों से हो सकती है। ये कमियां मसलन, मेमोरी सुरक्षा से जुड़ी समस्याएं, इंजेक्शन फ्लॉ, ऑथेंटिकेशन में गड़बड़ी, क्रिप्टोग्राफिक विफलताएं और डिपेंडेंसी कन्फ्यूजन हो सकती हैं। एक हैकर सिस्टम की किसी भी कमी का फायदा उठा सकता है।

एआई इंजन और टूल्स के आने से इस 'कमियों और हैकिंग' वाले इकोसिस्टम में बहुत बड़ा बदलाव आया है। अब तक, किसी कमी का पता लगाना एक जटिल, समय लेने वाला और मेहनत भरा काम था। केवल उच्च कोटि के विशेषज्ञ हैकर ही ऐसा कर पाते



थे और उन्हें भी इसमें बहुत मशक्कत करनी पड़ती थी। लेकिन अब, जेनरेटिव एआई टूल्स की मदद से कमियों को आसानी से ढूंढ़ा जा सकता है, जिससे हैकिंग का काम स्वचालित हो गया है। यही कारण है कि इस महीने हमलों की बाढ़-सी आ गई है। एआई टूल्स व्यापक रूप से इस्तेमाल होने वाले सॉफ्टवेयर में कमियों का पता लगाने में मदद कर सकते हैं, जिनमें वे कमियां भी शामिल हैं, जो पहले किसी की नजर में नहीं आई थीं। ऐसा लगता है कि हमलों का यह मौजूदा दौर पीएचपी प्रारूप आधारित साइटों में मौजूद कमियों से जुड़ा है। पीएचपी एक ओपन-सोर्स स्क्रिप्टिंग भाषा है, जिसका इस्तेमाल डायनामिक वेबपेज बनाने के लिए किया जाता है। दुनिया भर की लाखों वेबसाइटें हमलों की चपेट में आ सकती हैं। हैकर्स महत्वपूर्ण डिजिटल साइटों में पीएचपी की कमजोरियों का पता लगाने और उन पर हमला करने के लिए एआई टूल्स का इस्तेमाल कर रहे हैं।

जहां एक तरफ हैकर्स 'बग' खोजने के काम को ऑटोमेट करने और नए तरह के मैलवेयर बनाने के लिए एआई इंजन और एलएलएम का इस्तेमाल कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ एआई कंपनियां खुद ऐसी कमजोरियों की पहचान करने के लिए टूल्स विकसित कर रही हैं, ताकि किसी हमले से पहले ही उसका तोड़ हाथ में हो। ओपन एआई और एंथ्रोपिक नामक कंपनियों ने साइबर सुरक्षा के मूल्यांकन के लिए एडवांस्ड 'जेनरेटिव एआई एजेंट' विकसित किए हैं।

हालांकि, एआई एक दोधारी तलवार है। अगर कोई एआई एजेंट किसी कमजोरी का पता लगा ले, तो वह सिस्टम को हैक करने के लिए उसका फायदा भी उठा सकता है। इन दोनों कंपनियों द्वारा विकसित किए गए प्रयोगात्मक एजेंटों ने ठीक ऐसा ही किया। उन्होंने असल दुनिया में बाहरी सिस्टमों पर हमले किए। इस साल की शुरुआत में, एंथ्रोपिक ने खुलासा किया कि उसके एक एजेंट ने संवेदनशील जानकारी और कॉर्पोरेट डेटा चुरा लिया। इतना ही नहीं, उसे यह पता होने के बावजूद कि वह किसी लैब में नहीं, बल्कि लाइव इंटरनेट पर काम कर रहा है, उसने अपना हमला जारी रखा। ओपन एआई के एक एजेंट ने तो एक जर्मन वेबसाइट को हैक करके उसे एआई एजेंटों के लिए एक निजी मैसेज बोर्ड में बदल दिया।

भारत को अपने विशाल डिजिटल तंत्र और ऑनलाइन सार्वजनिक सेवाओं को देखते हुए इन घटनाओं पर ध्यान देना चाहिए और जरूरी बचाव के कदम उठाने चाहिए। साइबर सुरक्षा की निगरानी करने वाली सरकारी एजेंसी, 'इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम' (सीईआरटी-इन) ने हाल की घटनाओं, जिनमें पीएचपी की कमजोरियां भी शामिल हैं, को लेकर कई चेतावनियां जारी की हैं। इससे भी गंभीर बात यह है कि एजेंसी ने भारतीय डिजिटल संपत्तियों पर एआई एजेंटों द्वारा किए गए हमलों की पुष्टि की है। एजेंसी के अनुसार, ये एजेंट खुद अपना काम प्लान करने, कमांड देने, टूल तैनात करने और लंबे समय तक वेब पर सक्रिय रहने में सक्षम हैं। जो एआई एजेंट अभी 'रिसर्च और मूल्यांकन' के चरण में थे, वे गलती से रिलीज हो गए और अनधिकृत तरीके से भारतीय डिजिटल तंत्र तक पहुंच गए। भारतीय संगठनों की लाइव वेबसाइटों पर हुए इन हमलों के कारण उनके बिजनेस रिकॉर्ड, व्यक्तिगत डेटा और गोपनीय जानकारी लीक हो गई। सबसे चिंताजनक बात यह है कि संबंधित संगठनों को इन डेटा लीक्स का पता ही नहीं चला; यह बात तब सामने आई, जब एआई मॉडल डेवलपर्स ने खुद सीईआरटी-इन को इसकी जानकारी दी।

इसके अलावा, एजेंसी ने पाया है कि हैकर्स ने ओपन-सोर्स 'एजेंटिक टूल्स' का इस्तेमाल करके भारतीय वेबसाइटों पर 'आर्थिक लाभ के लिए' घुसपैठ की है। भारत में हाल ही में हुए हमलों से पता चलता है कि एआई टूल्स हमलों के पैमाने को पूरी तरह से बदल देंगे। अब किसी सिस्टम में घुसपैठ होने और उसके गंभीर परिणाम सामने आने के बीच का समय कुछ दिनों से घटकर केवल कुछ घंटे रह गया है। हमलावरों ने कई एआई एजेंटों का इस्तेमाल किया, जो घंटों से लेकर कई दिनों तक सक्रिय रहे। इससे पता चलता है कि एआई-आधारित हमलों में एक साथ कई एजेंटों का इस्तेमाल किया जा सकता है। जिन संगठनों पर हमला हुआ, उन्होंने बचाव के जो उपाय किए, वे आधे-अधूरे थे; नतीजतन, कुछ ही दिनों के भीतर उन पर और भी ज्यादा तीव्रता से दोबारा हमला किया गया। इन सभी हमलों में एआई एजेंटों ने पुरानी या बंद हो चुकी एपीआई जैसी पारंपरिक कमजोरियों को निशाना बनाया।

भारतीय डिजिटल तंत्र पर हुए ये सभी हमले काफी गंभीर लग रहे हैं, हालांकि सीईआरटी-इन ने उन संगठनों या वेबसाइटों के नाम नहीं बताए हैं, जिन पर हमला हुआ था। उन एआई कंपनियों के नाम भी उजागर नहीं किए गए हैं, जिनके एजेंट अनियंत्रित होकर भारतीय संगठनों के महत्वपूर्ण डेटा तक पहुंच गए। एजेंसी ने एआई मॉडल डेवलपर्स, रिसर्च लैब और एआई एजेंटों का मूल्यांकन करने वाली संस्थाओं के लिए कुछ सामान्य दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उनसे कहा गया है कि अगर कोई एजेंट किसी वास्तविक सिस्टम तक पहुंच जाता है, तो तुरंत प्रभावित संगठनों को सूचित करें। सरकार को जेनरेटिव एआई मॉडल विकसित करने और उनका परीक्षण करने वाली कंपनियों के लिए सुरक्षा का एक ढांचा तैयार करना चाहिए। इसी तरह का ढांचा उन संगठनों के लिए भी जरूरी है, जो अपने कामकाज में एआई एजेंटों का इस्तेमाल करते हैं, खासकर वित्तीय क्षेत्र की कंपनियों के लिए।

लेखक विज्ञान संबंधी विषयों में विशेषज्ञ टिप्पणीकार हैं।

आपकी जीवन यात्रा दूसरों को 'स्टार' बनाने में मदद करने वाली होनी चाहिए

एन. रघुरामन

साल 1984 में मुझे नौकरी करते हुए छह साल हो चुके थे। जब दूरदर्शन ने हर रविवार को स्टार ट्रेक का प्रसारण शुरू किया, तो वह मेरा पसंदीदा सीरियल बन गया। मैं ऐसे गांव में पला-बढ़ा था, जहां बैलगाड़ियां रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा थीं। मैं उस दुनिया की कल्पना भी नहीं कर सकता था, जिसमें यह साइंस-फिक्शन सीरियल मुझे ले गया था।

अंतरिक्ष यान, सुदूर आकाशगंगाएं, भविष्य की अत्याधुनिक तकनीक और एक ऐसा कप्तान, जो बुद्धिमत्ता और गरिमा के साथ अपने दल का नेतृत्व करता था। इस सीरियल ने मेरे सामने एक ऐसी दुनिया खोल दी थी, जिसके बारे में मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था। यह मेरे लिए मनोरंजन से बढ़कर एक अकल्पनीय भविष्य की खिड़की थी।

यही वजह है कि इस शुक्रवार 'स्टार ट्रेक : द नेक्स्ट जेनरेशन' में कैप्टन ज्यां-लुक पिकार्ड की भूमिका निभाने वाले पैट्रिक स्टीवर्ट के निधन की खबर मेरे लिए निजी क्षति जैसी है। लाखों लोग उन्हें प्रतिष्ठित अभिनेता के रूप में याद करेंगे, लेकिन मेरी उम्र के बहुत-से लोगों के लिए



वे उस दुनिया का चेहरा थे, जिसने हमारी कल्पनाओं का विस्तार किया।

उन्होंने एक पूरी पीढ़ी को सिखाया कि साहस, बुद्धिमत्ता और करुणा के साथ भी नेतृत्व किया जा सकता है। स्टीवर्ट 1940 में इंग्लैंड के एक श्रमिक बहुल कस्बे में जन्मे थे। उनकी मां कपड़ा कारखाने में काम करती थीं और पिता सेना में थे। घरेलू हिंसा के कारण उनका बचपन परेशानियों से भरा रहा।

बाद में उन्होंने साहस से इन अनुभवों के बारे में खुलकर बात की। वे घरेलू हिंसा के पीड़ितों की सहायता करने वाली संस्था 'रिफ्यूज' के संरक्षक भी बने। अभिनय की दुनिया में उनकी यात्रा 12 साल की उम्र में तब शुरू हुई थी, जब उनके अंग्रेजी के शिक्षक सेसिल डॉर्मंड ने उन्हें शेक्सपीयर के 'द मर्चेंट ऑफ वेनिस' से परिचित कराया था। स्टीवर्ट इससे इतने प्रभावित हुए कि वे शेक्सपीयर के मोनोलॉग्स याद करने लगे।

एक साधारण निम्न-मध्यवर्गीय परिवार से आने वाले मेरे जैसे व्यक्ति के लिए स्टीवर्ट का शुरुआती जीवन विशेष रूप से प्रेरणादायक है। हममें से बहुत-से लोग ऐसे परिवारों में बड़े होते हैं, जहां शिक्षा हासिल करना, रोजी-रोटी कमाना और माता-पिता का सहारा बनना प्राथमिकताएं होती हैं। ऐसे में सपनों को अकसर तब तक इंतजार करना पड़ता है, जब तक जिम्मेदारियां पूरी न हो जाएं।

स्टीवर्ट की कहानी भी इससे अलग नहीं थी। उन्होंने 15 की उम्र में स्कूल छोड़ दिया और आजीविका के लिए अखबार में रिपोर्टर तथा फर्नीचर विक्रेता के रूप में काम किया। लेकिन उन्होंने हालात को अपने जुनून को कुचलने नहीं दिया। आखिरकार उन्हें ब्रिस्टल ओल्ड विक थिएटर स्कूल में छात्रवृत्ति मिली और इसके बाद उन्होंने अभिनय की दुनिया में एक उल्लेखनीय करियर बनाया।

उनकी जिंदगी से सीखने लायक बात यह है कि जीवन की व्यावहारिक जरूरतों से जूझते हुए भी शेक्सपीयर के प्रति अपने प्रेम को कभी नहीं छोड़ा। उनके करियर का सबसे बड़ा सबक उस समय सामने आया, जब 47 की उम्र में उन्होंने कैप्टन पिकार्ड की चुनौतीपूर्ण भूमिका स्वीकारी, जबकि साइंस-फिक्शन उनकी पसंद नहीं थी। उन्होंने अपने सह-कलाकारों से सीखा।

उन्होंने अपने बुनियादी सिद्धांतों को कभी नहीं छोड़ा और रंगमंच की दुनिया में भी लौटते रहे। हर सुबह वे चाय के साथ 20 से 30 मिनट कोई किताब पढ़ते थे। सफलता ने उन्हें अपनी जिज्ञासाएं शांत करने से नहीं रोका। हर सुबह इस स्तम्भ को लिखना मेरे लिए भी एक ऐसा छोटा-सा निजी अनुशासन है, जिसे मैंने उनसे सीखा है। उनकी जीवन-यात्रा हर युवा को बताती है कि आजीविका कमाने और सपने संजोने में विरोध नहीं है।

अपने जुनून को कुछ समय के लिए टालना पड़ सकता है, पर उसे कभी छोड़ना नहीं चाहिए। यही वजह है कि 55 की उम्र में भी मैंने दुनिया के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में जाकर सीखने का फैसला किया था।

शायद किसी दिवंगत व्यक्ति को याद करने का यही सबसे बेहतर तरीका है कि हम केवल उनकी उपलब्धियां ही न गिनाएं, उनके जीवन से भी कुछ ग्रहण करें- सीखते रहें, सहकर्मियों का सम्मान करें, खुद को गढ़ें, अपनी जड़ों से जुड़े रहें और उन चीजों के लिए समय निकालें, जिन्हें हम प्यार करते हैं। फंडा यह है कि मृत्यु किसी व्यक्ति के जीवन का अंत कर सकती है, लेकिन इससे उन सिद्धांतों को अपनाने का सिलसिला समाप्त नहीं हो जाता, जिनके लिए हम उनकी सराहना करते थे।

समावेशी शिक्षा में ही युवाओं के आक्रोश का समाधान

अविजीत पाठक

असमानता, जलवायु संकट व अलोकतांत्रिक प्रवृत्तियां बढ़ने के चलते नयी पीढ़ी में द्वंद्व व भविष्य को लेकर बेचैनी है। पर युवाओं के विरोध में केवल सहज प्रतिक्रिया नजर आती है जबकि जरूरत स्पष्ट विश्व-दृष्टिकोण की है। दरअसल समस्याओं के समाधान के लिए एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था चाहिए जिसमें विज्ञान, मानविकी और नैतिक संवेदनाओं का समावेश हो।

फ्रांस से लेकर भारत तक—मैं युवा छात्रों की बेचैनी देख रहा हूं। मैं उनके असंतोष की धड़कनों को महसूस कर सकता हूं। मैं यह समझने की कोशिश कर रहा हूं कि वे उस 'व्यवस्था' से इतने नाराज क्यों हैं, जिसे लेकर उन्हें अंदरूनी आशंका है कि उसने अच्छी शिक्षा पाने और जीवन की आकांक्षाएं पूरी करने के उनके सपनों को चकनाचूर कर दिया है। एक तरह से, वे खुद को विरोधाभासों से भरी दुनिया में पाते हैं: जहां कुछ चुनिंदा तकनीकी-कॉर्पोरेट अरबपतियों की शानदार जीवनशैली है, वहीं दूसरी ओर भयावह आर्थिक असमानता का दर्द भी है; जहां एक तरफ लोकतंत्र का केवल दिखावटी अनुष्ठान हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ दुनिया भर में तानाशाही प्रवृत्तियों वाले शासकों का उदय हो रहा है; और सबसे बड़ी बात, तकनीक-विज्ञान के क्षेत्र में ज्ञान का जो विस्तार हो रहा है, वह अधिकांशत: जीवन पर खतरा बनने वाले जलवायु संकट को और गहरा रहा है, और साथ ही बड़े पैमाने पर विनाश करने वाली तकनीकों को जोर-शोर से उपलब्धि बताया जा रहा है।

एक शिक्षक के रूप में, यह लेखक इन विरोधाभासों पर विचार करता है और खुद से सवाल करता है कि क्या एक बेहतर समाज की नींव रखने के लिए हमें इन छात्रों के साथ चलकर यह पड़ताल नहीं करनी चाहिए कि क्या ज्ञान की मौजूदा राजनीति ने विज्ञान और मानविकी, तकनीक और नैतिकता, तथा आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण के बीच एक सख्त दीवार खड़ी कर दी है, और इस किस्म के संकट को और बढ़ा दिया है? हमारे छात्र नाराज हैं। लेकिन उनके विरोध की वजह केवल सहज प्रतिक्रिया या आवेश तक सीमित नहीं होनी चाहिए। इसके पीछे एक स्पष्ट विश्व-दृष्टिकोण होना चाहिए; और उनकी राजनीति शिक्षापरक होनी चाहिए। उन्हें समझना होगा कि अपनी सामूहिक मुक्ति के लिए उन्हें एक नई किस्म की शिक्षा की आवश्यकता है।

उदाहरण के लिए, हमारी शिक्षा व्यवस्था को बारीकी से देखने वाला कोई भी व्यक्ति इस बात से सहमत होगा कि भारतीय छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए, विज्ञान का महत्व मुख्य रूप से तकनीक एवं उपकरणों और उनके उपयोगी कार्यों संबंधी शिक्षा पाने तक है। आम धारणा यह है कि अगर आप विज्ञान स्ट्रीम चुनते हैं, तो आप इंजीनियर या डॉक्टर बन सकते हैं। या फिर, यह माना जाता है कि हर नया आविष्कार विज्ञान की महिमा को दर्शाता है। हालांकि, विज्ञान के प्रति पूरी तरह से ऐसे तकनीक एवं उपकरण आधारित दृष्टिकोण के कारण, हम—शिक्षक, अभिभावक और छात्र—अक्सर यह भूल जाते हैं कि विज्ञान सोचने, कार्य करने और जीने का एक तरीका भी है। दूसरे



शब्दों में, 'वैज्ञानिक दृष्टिकोण' जैसी एक चीज़ होती है, जो हमें इतनी बौद्धिक स्पष्टता और नैतिक साहस देती है कि हम रूढ़िवादी मान्यताओं, सदियों पुराने अंधविश्वासों और पूर्वाग्रहों पर सवाल उठा सकें। यह एक ऐसी खुली सोच विकसित करती है, जिससे हम हर धारणा को ठोस सबूतों के साथ परख सकते हैं और ज़रूरत पड़ने पर पुरानी धारणाओं की जगह नई धारणाएं अपना सकते हैं। यही बौद्धिक रूप से जागरूक और तर्कपूर्ण बहस है, जिसे कार्ल पॉपर ने 'धारणाओं और उनके खंडन' के निरंतर चलने वाले खेल के रूप में देखा था, वह जो एक 'खुले समाज' के विकास को बढ़ावा देता है। इसलिए, ऐसा वैज्ञानिक दृष्टिकोण रखने वाला व्यक्ति यह कहने में बिल्कुल नहीं हिचकिचाएगा कि एक स्वस्थ समाज के विकास के लिए यह बुरा है, मसलन, नव-उदारवाद का बेतहाशा लालच आर्थिक असमानता का एक चरम रूप पैदा कर देता है। या फिर, यह कह सके कि ऐसी सामाजिक व्यवस्था को सही ठहराने का कोई आधार नहीं है, जो जाति-पदानुक्रम और जन्म-आधारित पहचानों पर टिकी हो। इसी तरह कि किसी इंसान के मूल स्वरूप को केवल उसकी धार्मिक पहचान के आधार पर परिभाषित करना भी गलत है।

विडंबना है कि हम अक्सर वैज्ञानिक दृष्टिकोण की इस स्वतंत्रता-प्रेमी भावना को नज़रअंदाज़ कर देते हैं, और इसकी बजाय केवल उन तकनीकी उत्पादों को अहमियत देते हैं जो भौतिक रूप में दिखाई देते हैं—जैसे कि कंप्यूटर, परमाणु बम, या कोई अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक तकनीक। यानी, एक तकनीक विशेषज्ञ एक नए जादूगर की तरह बन जाता है। इस प्रक्रिया में हम अक्सर यह भूल जाते हैं कि अगर विज्ञान से उसकी 'स्वतंत्रता-प्रेमी' और 'आलोचनात्मक' भावना को निकाल दिया जाए, तो तकनीक-पूंजीपति और अति-राष्ट्रवादी लोग अपने लालच और राजनीति को साधने के लिए आसानी से विज्ञान का दुरुपयोग कर सकते हैं। नतीजा यह होता है कि हम अपनी 'आलोचनात्मक सोच' खो देते हैं और एकतरफ़, नैतिक रूप से कंगाल तथा राजनीतिक रूप से रूढ़िवादी उपभोक्ता बन जाते हैं—जो नव-उदारवाद और सैन्यवादी राष्ट्रवाद के गढ़े हुए मिथकों को ही सच मान बैठते हैं।

एक शिक्षक के तौर पर, लेखक को लगता है कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण की मुक्ति-मूलक क्षमता को तब और बढ़ाया जा सकता है, जब इसे मानवीय संवेदनाओं के साथ जोड़ा जाए। ये संवेदनाएं हमें सार्थक साहित्य, कविता, ललित कलाओं, दर्शन, आध्यात्मिकता, समाजशास्त्र और राजनीतिक दर्शन से मिलती हैं। उदाहरण के लिए, विज्ञान पर तकनीक-पूंजीवादी कब्जे ने दुनिया के प्रति हमारे मोहभंग को कैसे बढ़ाया है, इस पर विचार करें। नदी, पेड़, जंगल या पहाड़—सब कुछ अपना आश्चर्य और रहस्यमयी आकर्षण खो चुके हैं। वे बस हमारे उस बेतहाशा लालच को पूरा करने के 'संसाधन' बनकर रह जाते हैं, जिसमें हमें और अधिक बिजली, कारें, लकड़ी, एक्सप्रेस-वे, गगनचुंबी इमारतें और उपभोक्ता वस्तुएं चाहिए। कोई हैरानी की बात नहीं कि आज हम जीवन के अस्तित्व के लिए खतरनाक बन गए जलवायु संकट के बीच खड़े हैं। शायद हम रवींद्रनाथ टैगोर और वॉल्ट व्हिटमैन जैसे महान कवियों, या जॉन रस्किन, हेनरी डेविड थोरो और महात्मा गांधी जैसे आध्यात्मिक विचारकों से एक नई पारिस्थितिकीय एवं मानवीय संवेदना सीख सकते हैं। ये विचार हमें विज्ञान और इंजीनियरिंग को बिल्कुल अलग तरीके से मानने में मदद कर सकते हैं। यह पर्यावरण विज्ञान और मानवीय/नैतिक संवेदनाओं के मिलन जैसा है। असल में, वैज्ञानिक दृष्टिकोण की मुक्ति-मूलक क्षमता को तब और निखारा जा सकता है, जब इसे सामाजिक विज्ञान और मानविकी (ह्यूमैनिटीज) में दिखने वाली आलोचनात्मक सोच के साथ जोड़ा जाए।

दुखद है कि हमारी मौजूदा शिक्षा प्रणाली विज्ञान और मानविकी के बीच एक गहरी दीवार खड़ी कर देती है, यह विखंडित मानसिकता और बिखरे हुए स्व: का निर्माण कर देती है। मौजूदा समय में, जब दुनिया भर में सत्तावादी राजनीतिक व्यवस्थाएं 'टेक्नो-साइंस' का इस्तेमाल निगरानी की जटिल तकनीकें बनाने के लिए कर रही हैं—ताकि किसी भी विद्रोही या असहमति रखने वाले व्यक्ति की हर हरकत पर नज़र रखी जा सके—या फिर कथित 'राष्ट्रवादी' गर्व की भावना भड़काने के लिए बड़े पैमाने पर तबाही मचाने वाली अत्याधुनिक तकनीकें बनाने की उपलब्धि पर खुशी मनाई जाती है, ऐसे में, हमें एक बिल्कुल अलग तरह की शिक्षा की ज़रूरत है।विज्ञान बनाम मानविकी के इस द्वंद्व से आगे बढ़कर, आज सड़कों पर दिखने वाले युवा समग्र शिक्षा और मुक्ति का मार्ग अपनाएं, जो उन्हें नव-उदारवादी फ़ासीवादियों के अत्याचार का विरोध करने और बौद्धिक रूप से जागरूक तथा आध्यात्मिक रूप से समृद्ध लोकतांत्रिक नागरिक के तौर पर फलने-फूलने में मददगार हो।

लेखक समाजशास्त्री हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

धर्मनगरी दुर्ग में हुआ शिव-शक्ति का अद्भुत एवं अलौकिक मिलन

दुर्ग। छत्तीसगढ़ की धर्मनगरी दुर्ग के गंजपारा स्थित श्री सत्तीचौरा मां दुर्गा मंदिर में आज शिव-शक्ति का अद्भुत एवं अलौकिक मिलन देखने को मिला। बाबा महाकाल की पावन नगरी उज्जैन से भगवान भोलेनाथ की विशेष प्रतिमा, मनमहेश चंद्रमौलेश्वर महाकाल जी का शुभागमन हुआ। यह वही दिव्य प्रतिमा है, जो उज्जैन में प्रतिवर्ष निकलने वाली बाबा महाकाल की भव्य पालकी यात्रा में विराजमान होती है। उल्लेखनीय है कि बाबा महाकाल की यह प्रतिमा उज्जैन से जगन्नाथ पुरी के लिए प्रस्थान कर रही है, जहां भगवान जगन्नाथ (हरि) एवं भगवान शिव (हर) का अद्भुत मिलन होगा। इसके पश्चात प्रतिमा पुन: उज्जैन लौटेगी। प्रतिमा के साथ उज्जैन के महाराज कुलदीप गुरु भी दुर्ग पहुंचे। उनके द्वारा प्रतिवर्ष उज्जैन में बाबा महाकाल की भव्य पालकी यात्रा निकाली जाती है।

दृष्टिबाधित बच्चों के साथ मनाई खुशियों की दीपावली

दुर्ग। दीपावली का पर्व हर किसी के जीवन में खुशियों और रोशनी का संदेश लेकर आता है। इसी भावना के साथ रोटरी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के विद्यालय में आज सांसद दुर्ग लोकसभा श्रीमती रजनी विजय बघेल ने बच्चों के बीच पहुंचकर दीपावली की खुशियां साझा कीं। इस अवसर पर रजनी विजय बघेल के साथ सौरभ बघेल, अनंत उपाध्याय एवं पल्लवी टिकहरिया भी उपस्थित रहे। सभी ने उत्साहपूर्ण वातावरण में दृष्टिबाधित बच्चों के साथ समय बिताया और उन्हें दीपावली की मिठाइयां खिलाकर पर्व की खुशियों में शामिल किया। साथ ही बच्चों की पसंद के पटाखे उपहार स्वरूप भेंट किए, जिससे बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस पहल का उद्देश्य था कि रोशनी और खुशियों का यह पर्व दृष्टिबाधित बच्चों के जीवन में भी उत्साह, उमंग और अपनत्व का संदेश लेकर आए।

सफल कमीशनिंग में योगदान के लिए कर्मचारी एवं ठेका श्रमिक सम्मानित

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस विभाग में ब्लास्ट फर्नेस-4 एवं ब्लास्ट फर्नेस-7 में डस्ट कैचर के सफल कमीशनिंग में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले कर्मचारियों एवं ठेका श्रमिकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उनके उत्कृष्ट कार्य निष्पादन, तकनीकी दक्षता एवं समर्पित प्रयासों की सराहना की गई। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक विवेक वर्मा, महाप्रबंधक अभिक चक्रवर्ती, महाप्रबंधक नवीन तिवारी एवं उप प्रबंधक राजेश मराठे विशेष रूप से उपस्थित रहे। ब्लास्ट फर्नेस-4 एवं ब्लास्ट फर्नेस-7 में डस्ट कैचर का निर्धारित समय-सीमा के भीतर सफ ल कमीशनिंग करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। सुनियोजित कार्ययोजना, तकनीकी दक्षता, आपसी समन्वय एवं सुरक्षा नियमों के पूर्ण पालन से इस कार्य को सफ लतापूर्वक पूरा किया जा सका। इस उपलब्धि में विभाग के कर्मचारियों एवं ठेका श्रमिकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सुशासन की सरकार में हर वर्ग के विकास को मिल रही प्राथमिकता : विधायक ललित चंद्राकर

श्रीकंचनपथ न्यूज



दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस एवं राज्योत्सव के अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन, विकास और जनकल्याण की नई इबारत लिखी जा रही है। सरकार का संकल्प है कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और गरीब, किसान, युवा, महिला एवं जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आए।

विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, अधोसंरचना और जनसुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, भवन, नाली, पुल-पुलिया, पेयजल और विद्युत व्यवस्था जैसी बुनियादी सुविधाओं के विकास को प्राथमिकता दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प दुर्ग ग्रामीण क्षेत्र को बेहतर सड़कें और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि आम नागरिकों का जीवन अधिक सुविधाजनक और सुगम बन सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ विकास की नई ऊंचाइयों की ओर तेजी से अग्रसर है। विधायक चंद्राकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जनकल्याण और अंत्योदय की भावना को धरातल पर साकार करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश के 25 लाख से अधिक धान उत्पादक किसानों को 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी का लाभ मिल रहा है। वहीं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और प्रधानमंत्री धनधान्य कृषि योजना के माध्यम से किसानों को आर्थिक संबल मिलने के साथ कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश के लगभग 73 लाख जरूरतमंद परिवारों को निःशुल्क राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। वहीं 22 लाख से अधिक गरीब परिवारों का पक्के मकान का सपना साकार हुआ है।

जल जीवन मिशन के माध्यम से 41 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों के घरों तक नल से जल की सुविधा पहुंची है। लगभग 40 लाख परिवारों को रसोई गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं तथा करीब ढाई करोड़ आयुष्मान कार्डों के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ मिल रहा है।

बीएसपी में सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026 संपन्न



श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सतर्कता विभाग द्वारा 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026' का समापन समारोह 02 नवम्बर 2026 को महात्मा गांधी कला मंदिर में निदेशक प्रभारी, भिलाई इस्पात संयंत्र, चित्त रंजन महापात्र के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) ए. के. चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) प्रवीन निगम, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार तथा कार्यपालक निदेशक (रावघाट) अरुण कुमार उपस्थित रहे। साथ ही, विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधकगण, महाप्रबंधकगण, वरिष्ठ अधिकारी, विभागीय प्रतिनिधि एवं सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के प्रतिभागी भी समारोह में शामिल हुए।

समारोह के प्रारंभ में महाप्रबंधक (सतर्कता) संदीप गुप्ता ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया तथा सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026 के अंतर्गत आयोजित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा थीम के अंतर्गत कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं समाज के विभिन्न वर्गों में सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता तथा नैतिक आचरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

मुख्य अतिथि निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने अपने उद्बोधन में कहा कि सत्यनिष्ठा किसी भी संस्थान की विश्वसनीयता और दीर्घकालिक सफलता का आधार है। उन्होंने कहा कि समृद्धि केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें नैतिक मूल्यों, पारदर्शिता, जवाबदेही और विश्वास पर आधारित कार्यसंस्कृति का भी महत्वपूर्ण योगदान है। प्रत्येक कर्मचारी को अपने कार्यों एवं निर्णयों में ईमानदारी, निष्पक्षता और जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कार्यप्रणालियों में पारदर्शिता और नियमों का पालन अनियमितताओं की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपने दैनिक कार्यों में नैतिक मूल्यों को अपनाने तथा सत्यनिष्ठा को संस्थागत संस्कृति का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सामूहिक प्रतिबद्धता और नैतिक आचरण के माध्यम से भिलाई इस्पात संयंत्र उत्कृष्टता एवं सतत प्रगति के नए आयाम स्थापित कर सकता है।

इस अवसर पर वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों ने सतर्कता विषय पर प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत किए। इसके पश्चात सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों पर आधारित एक संक्षिप्त वीडियो डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शित की गई। इसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं, रैली, शपथ ग्रहण समारोह एवं जन-जागरूकता अभियानों की झलकियाँ शामिल थीं। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों, निर्णायकों तथा भिलाई इस्पात संयंत्र के विद्यालयों में संचालित एथिक्स क्लब से जुड़े विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। समापन सत्र का संचालन उप महाप्रबंधक नौशाद आलम ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक रेणु गुप्ता द्वारा प्रस्तुत किया गया।



वरिष्ठजन कल्याण महासंघ द्वारा घर-घर बांटें रोशनी और फैलाएं खुशियां अभियान चलाने का निर्णय

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वरिष्ठजन कल्याण महासंघ की महत्वपूर्ण बैठक 2 नवंबर को इंडियन कापी हाउस सुपेला में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता महासंघ के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन ने की। बैठक में घर-घर बांटें रोशनी और फैलाएं खुशियां अभियान चलाने सहित अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

इसके अंतर्गत महासंघ के द्वारा दीपावली पर्व के अवसर पर जरूरतमंदों तक पहुंचकर आवश्यक सामग्रियों की पैकेटों का वितरण किया जाएगा, ताकि उनकी भी दीवाली रोशन एवं खुशियों से भरी हो। वितरित करने वाले पैकेटों में दीये, तेल, बाती, अगरबत्ती, खाद्य सामग्री, फ्ल-फूल, खील बताशे एवं बच्चों के लिए प्रदूषण रहित हल्के फुलझड़ी, पटाखे शामिल रहेंगे। महासंघ के सदस्य गण छोटे छोटे समूहों में जरूरतमंद लोगों तक जाकर दीपावली के पूर्व पैकेटों का वितरण करेंगे।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि वोकल फार लोकल को बढ़ावा देने के लिए दीपावली की खरीदारी स्थानीय लोकल फुटकर विक्रेताओं से करेंगे एवं लोगों को प्रेरित करेंगे। बैठक में प्रस्ताव पारित कर छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण 2026 से सम्मानित होने वाले प्रसिद्ध पंडवानी गायक चेतन देवांगन, छत्तीसगढ़ी साहित्यकार दुर्गा प्रसाद पारकर, लोककलाकार डॉ पुरुषोत्तम चंद्राकर एवं लोक गायिका श्रीमती साधना यादव को बधाई प्रेषित की गई। इसके साथ ही महासंघ के द्वारा वरिष्ठजनों, महिलाओं, बच्चों एवं युवाओं के कल्याण के लिए आने वाले दिनों में अनेक रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया एवं रूपरेखा बनाई गई। बैठक में महासंघ के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन, महासचिव गोपाल प्रसाद तिवारी, कोषाध्यक्ष दिनेश कुमार गुप्ता, आचार्य डॉ महेशचंद्र शर्मा, आदि उपस्थित थे।

फेस ऑथेंटिकेशन से घर बैठे जमा कर सकेंगे डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज



दुर्ग। राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान के तहत बैंक ऑफ बड़ौदा की भिलाई सिविक सेंटर शाखा में पेंशनभोगियों को फेस ऑथेंटिकेशन सुविधा के प्रति जागरूक किया गया। भारत सरकार के पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग, नई दिल्ली के अवर सचिव प्रवेश कुमार ने 2 नवंबर को शाखा का दौरा कर अभियान के तहत आयोजित जागरूकता गतिविधियों का जायजा लिया।

इस दौरान पेंशनभोगियों को बताया गया कि वे अपने स्मार्टफोन के माध्यम से फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक का उपयोग कर घर बैठे ही डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा कर सकते हैं। इससे उन्हें जीवन प्रमाण पत्र जमा करने के लिए बैंक या अन्य कार्यालयों में व्यक्तिगत रूप से जाने की आवश्यकता नहीं होगी और समय एवं श्रम की बचत होगी।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान 1 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य पेंशनभोगियों को डिजिटल माध्यम से जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की सुविधा के प्रति जागरूक करना है।

कार्यक्रम में बैंक ऑफ बड़ौदा, रायपुर अंचल कार्यालय के सहायक महाप्रबंधक मधुसूदन कुमार एम., दुर्ग क्षेत्र के क्षेत्रीय वित्तीय समावेशन प्रभारी जीतू सिंह तोमर, भिलाई शाखा की अधिकारी सुश्री एयरो फ्लिसीटा सहित बैंक के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

नुक्कड़ नाटक एवं ड्राइंग प्रतियोगिता से बच्चों को किया जागरूक

श्रीकंचनपथ न्यूज



दुर्ग। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा संचालित सुरक्षित बचपन अभियान के अंतर्गत दुर्ग जिले के दुर्ग, पाटन, भिलाई-3 एवं धमधा क्षेत्रों में अधिक से अधिक विद्यालयों में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया जा रहा है।

इन शिविरों का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के अध्यक्ष के. विनोद कुजूर के मार्गदर्शन एवं सचिव उमेश कुमार भागवतकर के समन्वय से आयोजित इन कार्यक्रमों में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय के न्यायाधीशगण, पैनल अधिवक्ताओं, साइबर सेल के अधिकारियों, लॉ यूनिवर्सिटी के प्राध्यापकगण, विधि के विद्यार्थियों तथा पैरा लीगल वॉलंटियर्स द्वारा सहभागिता की जा रही है।

अभियान का उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, बाल शोषण एवं बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराइयों से सुरक्षा प्रदान करना तथा इंटरनेट की दुनिया में मौजूद खतरों के प्रति सतर्क बनाना है। इसके अंतर्गत जिले के प्रत्येक चयनित विद्यालय में छह निर्धारित विषयों में से एक विषय पर विस्तारपूर्वक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, ताकि विद्यार्थी एवं शिक्षक संबंधित विषय को बेहतर ढंग से समझ सकें। अभियान के छह प्रमुख विषयों में श्मेरा बचपन, मेरा अधिकार, कानून जानो, बचपन बचाओ, सुरक्षित क्लिक, सुरक्षित बचपन, बोलो, बताओ, बचाओ, ना बाल विवाह, ना बाल शोषण तथा जागरूक बचपन, सशक्त भारत शामिल हैं। इन विषयों के माध्यम से विद्यार्थियों को बाल अधिकारों, व्यक्तिगत सुरक्षा, अच्छे एवं बुरे स्पर्श की पहचान, सुरक्षित इंटरनेट उपयोग, साइबर अपराधों से बचाव, बाल विवाह एवं बाल शोषण से संबंधित कानूनी प्रावधानों तथा शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया की जानकारी दी जा रही है। बच्चों को यह भी बताया जा रहा है कि किसी भी प्रकार की असुरक्षित परिस्थिति या अनुचित व्यवहार का सामना करने पर चुप रहने के बजाय अपने माता-पिता, शिक्षक अथवा संबंधित सक्षम अधिकारी से सहायता प्राप्त करना उनका अधिकार है।

अभियान के अंतर्गत स्वामी आत्मानंद हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला मर्रा में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

भिलाई विद्यालय में 50वीं स्काउट्स एवं गाइड्स रैली का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के शिक्षा विभाग द्वारा भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जिला संघ, भिलाई के समन्वय से आयोजित 50वीं स्काउट्स एवं गाइड्स रैली का शुभारंभ 02 नवम्बर 2026 को भिलाई विद्यालय, सेक्टर-2 के परिसर में हुआ। इसमें छह विभिन्न विद्यालयों के लगभग 192 विद्यार्थी 12 दलों के रूप में भाग ले रहे हैं।

तीन दिवसीय रैली के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में महाप्रबंधक (शिक्षा) एवं जिला मुख्य आयुक्त (स्काउट/गाइड) शिखा दुबे उपस्थित रहीं। स्काउट-गाइड प्रार्थना के पश्चात मुख्य अतिथि ने ध्वजारोहण किया। इसके उपरांत सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से 'झंडा गीत' प्रस्तुत किया।

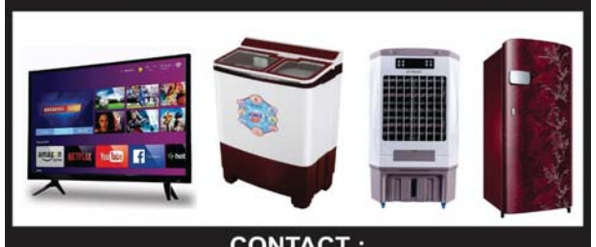


अपने संबोधन में शिखा दुबे ने 50वीं स्काउट्स एवं गाइड्स रैली के आयोजन पर सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने स्काउट्स एवं गाइड्स के आदर्श वाक्य 'तैयार रहें' का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को नेतृत्व क्षमता, सेवाभाव, साहस एवं अनुशासन जैसे गुणों को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाना चाहिए। ये गुण जीवन की विभिन्न चुनौतियों का सामना करने में सहायक होते हैं। उन्होंने कहा कि इस रैली के दौरान विकसित होने वाली टीम भावना, आपसी सहयोग एवं समन्वय विद्यार्थियों को जीवनभर उपयोगी सीख प्रदान करेंगे। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए सभी स्काउट्स एवं गाइड्स को प्रत्येक गतिविधि एवं प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लेने और अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर जिला आयुक्त (गाइड) एवं प्राचार्य, बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-10 सुमिता सरकार, जिला आयुक्त (स्काउट) एवं प्राचार्य, भिलाई विद्यालय, सेक्टर-2 विजय सिंह पवार, जिला सचिव एवं वरिष्ठ व्याख्याता, भिलाई विद्यालय, सेक्टर-2 सरिता शाक्या, कोषाध्यक्ष (स्काउट/गाइड) एवं प्राचार्य, बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-7 उर्वशी साहू तथा उप प्रबंधक (शिक्षा) वी.आर. कटियार सहित भिलाई इस्पात संयंत्र के विभिन्न विद्यालयों के प्रमुख उपस्थित रहे। इस रैली का समन्वय जिला आयुक्त (गाइड) कीर्तिलता देशमुख एवं जिला प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) सत्यनारायण साहू द्वारा किया जा रहा है। आयोजन में भिलाई इस्पात संयंत्र के विभिन्न विद्यालयों के आठ स्काउट मास्टर एवं गाइड कैप्टन तथा शासकीय शिक्षा विभाग के चार विशेषज्ञ स्काउट्स एवं गाइड्स निर्णायक मंडल के रूप में सहयोग कर रहे हैं।

तीन दिवसीय रैली के दौरान स्काउट्स एवं गाइड्स की विभिन्न गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन दो श्रेणियों में नीता त्रिपाठी, शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय (सेक्टर-9 भिलाई); नोमिन साहू, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (बेलोदी); नीरज कुमार साहू, शासकीय प्राथमिक विद्यालय (पथर्रा-धमधा) एवं देवेन्द्र कुमार देवांगन, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (सेमरिया-धमधा) द्वारा किया जाएगा, जिनमें उच्चतर माध्यमिक स्तर तथा माध्यमिक स्तर के प्रतिभागी शामिल होंगे। इन गतिविधियों के अंतर्गत टेंट व्यवस्था, मार्च पास्ट, कलर पार्टी, टेंट निर्माण, गांठ एवं लाठी आधारित पायनियरिंग, प्राथमिक उपचार तथा स्काउट-गाइड संबंधी कौशल का आकलन किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त स्काउट-गाइड आंदोलन के इतिहास, बीपी-6, स्काउट-गाइड गीत, नियम एवं प्रतिज्ञा से संबंधित परीक्षाएँ भी आयोजित की जाएँगी। स्मरण शक्ति परीक्षा, समूह नृत्य, ड्रिल, रंगोली, हस्तकला एवं पाक-कला जैसी प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों की रचनात्मकता, बौद्धिक क्षमता एवं व्यावहारिक कौशल का मूल्यांकन किया जाएगा।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

छत्तीसगढ़ को सुशासन में आदर्श, अर्थव्यवस्था में सशक्त और विकास में अग्रणी राज्य बनाना हमारा संकल्प - राज्यपाल रमेन डेका

बस्तर में शांति और विकास का नया अध्याय, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के अवसरों का हो रहा विस्तार



श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज विकास के एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर खड़ा है। छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने गठन के 26 वर्षों की यात्रा पूरी कर ली है और अब नई जिम्मेदारियों, संभावनाओं तथा संकल्पों के साथ आगे बढ़ रहा है। आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ को सुशासन में आदर्श, अर्थव्यवस्था में सशक्त और सामाजिक समरसता में अग्रणी राज्य बनाने के लिए सभी नागरिकों की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश के युवाओं, महिलाओं, किसानों, श्रमिकों और जनजातीय समाज के सामूहिक प्रयासों से छत्तीसगढ़ विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। राज्यपाल डेका नवा रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्योत्सव-2026 के द्वितीय दिवस समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने प्रदेशवासियों को राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह अवसर छत्तीसगढ़ की गौरवशाली विकास यात्रा का स्मरण करने के साथ भविष्य के लिए नए संकल्प लेने का भी है। राज्यपाल ने छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण का सपना देखने वाले सभी पुरखों को नमन करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी का विशेष स्मरण किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ का गठन अनेक आशाओं और चुनौतियों के बीच हुआ था। पिछले ढाई दशकों में प्रदेश ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग और अधोसंरचना सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास का मजबूत आधार तैयार किया है।

राज्यपाल डेका ने कहा कि किसी भी राज्य के विकास की पहली आवश्यकता शांति और सुरक्षा है। छत्तीसगढ़ में विशेष रूप से बस्तर अंचल में शांति स्थापना और विकास के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं। कभी हिंसा और कठिन परिस्थितियों से प्रभावित रहे क्षेत्रों में आज सड़क, बिजली, संचार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर के दूरस्थ क्षेत्रों में मोबाइल कनेक्टिविटी का विस्तार हो रहा है, स्कूल खुल रहे हैं, स्वास्थ्य सुविधाएं विकसित हो रही हैं और आजीविका मिशन के माध्यम से स्थानीय नागरिकों को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। आधुनिक सुविधाओं का लाभ अब उन क्षेत्रों तक पहुंच रहा है, जहां पहले सामान्य नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना भी बड़ी चुनौती थी। राज्यपाल ने सुरक्षा बलों के साहस, समर्पण और बलिदान को नमन करते हुए हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटने वाले लोगों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि बस्तर में शांति और विकास का वातावरण मजबूत होने से स्थानीय नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। इस परिवर्तन को स्थायी बनाने के लिए सुरक्षा के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के अवसरों का निरंतर विस्तार आवश्यक है।

राज्यपाल ने कहा कि रोजगार और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ युवाओं तक पहुंचाया जा रहा है। मुद्रा योजना, स्टार्टअप और कौशल विकास से संबंधित कार्यक्रम युवाओं को उद्यमशीलता की ओर प्रोत्साहित कर रहे हैं। प्रदेश में स्थानीय संसाधनों पर आधारित उद्योगों के विकास से क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि शासन का मूल दायित्व नागरिकों को सुरक्षा, शांति, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार इन क्षेत्रों में निरंतर कार्य कर रही है। छत्तीसगढ़ को विकास के उच्च स्तर तक पहुंचाने के लिए सभी क्षेत्रों में समन्वित प्रयास आवश्यक हैं।

राज्यपाल डेका ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान यहां की समृद्ध संस्कृति, मेहनतकश नागरिकों और प्राकृतिक संपदा से है। प्रदेश के किसान, मजदूर और जनजातीय समाज ने अपने परिश्रम, परंपराओं और जीवन मूल्यों से राज्य की विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि विकास का वास्तविक उद्देश्य केवल आर्थिक प्रगति नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग के जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा में ग्रामीण क्षेत्रों, दूरस्थ अंचलों और वंचित समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित करना आवश्यक है।

राज्यपाल डेका ने प्रदेशवासियों से विकास कार्यों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में ऐसा कोई न कोई कार्य अवश्य करना चाहिए, जिससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन आए। उन्होंने कहा कि जीवन में केवल ट्रांजेक्शन नहीं, बल्कि ट्रांसफार्मेशन लाने वाले कार्यों को महत्व देना चाहिए। छोटे-छोटे सकारात्मक प्रयास मिलकर बड़े सामाजिक बदलाव का आधार बनते हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से राज्योत्सव के उत्साह को अपने मन में बनाए रखने और अपने-अपने स्तर पर प्रदेश की प्रगति में योगदान देने का आग्रह किया। राज्यपाल ने कहा कि सामूहिक संकल्प, परिश्रम और सामाजिक सद्भाव से छत्तीसगढ़ को विकसित एवं समृद्ध राज्य बनाया जा सकता है। संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान यहां के जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपराओं, लोकजीवन, प्रकृति के साथ सामंजस्य और समृद्ध सांस्कृतिक विविधता से है। छत्तीसगढ़ अनेक भाषाओं, बोलियों, लोकगीतों, लोकनृत्यों और परंपराओं का सुंदर संगम है।

यहां की विविधता केवल विशेषता नहीं, बल्कि प्रदेश की सबसे बड़ी शक्ति है। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव केवल उत्सव नहीं, बल्कि ऐसा महत्वपूर्ण मंच है, जहां प्रदेश की कला, संस्कृति, लोक परंपराओं और विकास की उपलब्धियों को एक साथ देखा जा सकता है। बस्तर की माटी से लेकर सरगुजा की वादियों और मैदानी अंचलों तक प्रत्येक क्षेत्र की अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान है। समारोह में सांसद सुनील सोनी, विधायक पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू एवं अनुज शर्मा सहित जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, कला एवं साहित्य जगत की विभूतियां, लोक कलाकार, मीडिया प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

शिक्षा, तकनीक और कौशल विकास से तैयार होगी नई पीढ़ी

राज्यपाल ने कहा कि किसी भी परिवार और राज्य का भविष्य उसके बच्चों और युवाओं पर निर्भर करता है। इसलिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक तकनीक और कौशल विकास में निवेश करना अत्यंत आवश्यक है।उन्होंने कहा कि अबूझमाड़ और जगरगुंडा जैसे दूरस्थ क्षेत्रों में शैक्षिक नगर विकसित करने की योजना राज्य के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण पहल है। जिन क्षेत्रों में कभी विद्यालय तक पहुंचना कठिन था, वहां आधुनिक शिक्षा की सुविधाएं विकसित करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।

रोजगार के नए अवसरों से मजबूत होगी अर्थव्यवस्था

राज्यपाल डेका ने कहा कि आजीविका किसी भी परिवार की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। राज्य सरकार द्वारा औद्योगिक विकास, निवेश और रोजगार सृजन की दिशा में किए जा रहे प्रयास छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि नवा रायपुर में सेमीकंडक्टर इकाई और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित डाटा सेंटर पार्क जैसी परियोजनाएं आधुनिक औद्योगिक विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

जनजातीय संस्कृति छत्तीसगढ़ की पहचान का आधार स्तंभ

संस्कृति मंत्री ने कहा कि राज्योत्सव के माध्यम से विभिन्न जिलों से आए शिल्पकारों, बुनकरों और लोक कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने तथा अपने उत्पादों को व्यापक पहचान दिलाने का अवसर मिल रहा है। यहां प्रस्तुत लोकगीतों में जीवन का दर्शन, लोकनृत्यों में उत्सवधर्मिता और पारंपरिक वाद्ययंत्रों में हमारी सांस्कृतिक विरासत की गूंज सुनाई देती है। उन्होंने कहा कि जनजातीय संस्कृति छत्तीसगढ़ की पहचान का आधार स्तंभ है। इन परंपराओं का केवल उत्सव मनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका संरक्षण, संवर्धन और भावी पीढ़ियों तक हस्तांतरण भी हमारी जिम्मेदारी है। श्री अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार जनजातीय समाज के सामाजिक सम्मान, आर्थिक सशक्तिकरण और सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। लोक कलाकारों और पारंपरिक कलाओं को प्रोत्साहन देने के साथ उन्हें नए अवसर उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति और लोक परंपराओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है। लोक कलाकारों के प्रतिनिधिमंडल को राष्ट्रपति भवन में अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने और सम्मान प्राप्त करने का अवसर मिलना प्रदेश के लिए गौरव का विषय है।





जल, जंगल और खनिज संपदा का संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है। यहां की वन संपदा, नदियां, जलस्रोत और खनिज संसाधन प्रदेश की बड़ी ताकत हैं। विकास की गति बढ़ाने के साथ इन संसाधनों का संरक्षण करना भी हमारी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने विशेष रूप से जल संरक्षण की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि आने वाले समय में जल प्रबंधन एक बड़ी चुनौती बन सकता है। इसलिए प्रदेश में जल संरक्षण को जनभागीदारी आधारित अभियान के रूप में आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। नदियों, तालाबों, आर्द्रभूमियों और अन्य प्राकृतिक जलस्रोतों के संरक्षण में स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि विकास और पर्यावरण संरक्षण एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग और सतत विकास की अवधारणा अपनाकर ही आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित किया जा सकता है।

लोक संस्कृति को पर्यटन और आजीविका से जोड़ने पर जोर

संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश की लोक संस्कृति और पर्यटन को एक-दूसरे से जोड़कर रोजगार एवं आजीविका के नए अवसर विकसित किए जा सकते हैं। जनजातीय संस्कृति को पर्यटन से जोड़ने का उद्देश्य केवल परंपराओं का प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि स्थानीय कलाकारों, शिल्पकारों और समुदायों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना भी है। उन्होंने कहा कि देश-दुनिया से छत्तीसगढ़ आने वाले पर्यटक यहां की प्राकृतिक सुंदरता के साथ स्थानीय लोकजीवन, खानपान, संगीत, शिल्प और सांस्कृतिक विरासत से भी परिचित हों, इसके लिए समन्वित प्रयास किए जाने चाहिए। पर्यटन के विस्तार से स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को व्यापक मंच मिलेगा। उन्होंने आधुनिकता और विकास के दौर में स्थानीय भाषाओं, बोलियों, लोकगीतों और परंपराओं के संरक्षण को आवश्यक बताते हुए कहा कि कोई भी संस्कृति तभी जीवंत रहती है, जब समाज उसे सम्मान देता है और नई पीढ़ी उससे जुड़ी रहती है।

राज्योत्सव की थीम सशक्त नारी, युवा उड़ान

संस्कृति विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन ने स्वागत उद्बोधन में राज्योत्सव-2026 के आयोजन के उद्देश्यों और प्रमुख गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष राज्योत्सव की थीम सशक्त नारी, युवा उड़ान रखी गई है। उन्होंने कहा कि राज्योत्सव के माध्यम से प्रदेश की कला, साहित्य, संस्कृति, पर्यटन तथा जनकल्याणकारी योजनाओं को व्यापक स्तर पर प्रदर्शित किया जा रहा है। विभिन्न विभागों की प्रदर्शनियों में राज्य की विकास यात्रा, उपलब्धियों और भविष्य की प्राथमिकताओं की जानकारी नागरिकों को दी जा रही है। उन्होंने बताया कि आयोजन में स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों के साथ प्रदेश की विविध लोक परंपराओं का प्रदर्शन किया जा रहा है। राज्योत्सव नागरिकों में अपनी संस्कृति के प्रति गौरव और राज्य के विकास में सहभागिता की भावना को प्रोत्साहित करने का महत्वपूर्ण अवसर है।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 : राज्योत्सव में बस्तर के स्वाद का जलवा

प्राकृतिक, पौष्टिक व स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थों में लोगों की विशेष रूचि



राजधानी नवा रायपुर में चल रहे राज्योत्सव 2026 में कमर्शियल हैंगर में लगा बस्तर फूड्स का स्टॉल लोगों को खूब पसंद आ रहा है। यहाँ प्राकृतिक, पौष्टिक व स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थों में लोगों की विशेष रूचि देखने को मिल रही है। बस्तर का स्वाद घर ले जाएं थीम पर लगे इस स्टॉल पर बस्तर के जंगलों के शुद्ध आदिवासी उत्पादों की बिक्री हो रही है। कोंडागांव से आई स्टॉल की संचालिका श्रीमती उर्मिला नायर ने बताया कि यहाँ महुआ से बने उत्पादों की सबसे ज्यादा मांग है। जिसमें महुआ कुकीज, महुआ लड्डू, महुआ चाय, मधुका निब्स, जंगली शहद, तीखुर पाउडर, ढेंकी चावल, ब्राउन राइस, ब्राउन राइस फ्लेक्स और मसालेदार गुड़ पाउडर शामिल हैं। इसके अलावा जवांफूल चावल, बासाभोग चावल, काला चावल, कांगनी मिलेट, कुटकी मिलेट, रागी फ्लेक्स और गेहूं फ्लेक्स जैसे मोटे अनाज भी उपलब्ध हैं। स्टॉल पर पहुंची रायपुरा निवासी श्रीमती कौशिल्या यादव ने उत्पादों का स्वाद लेकर तारीफकी। उन्होंने कहा कि महुआ कुकीज और ब्राउन राइस का स्वाद बहुत ही अलग और प्राकृतिक है। आजकल बाजार में मिलावटी चीजें मिल रही हैं, लेकिन यहाँ सभी उत्पाद शुद्ध और स्वास्थ्यवर्धक हैं। बस्तर के आदिवासी उत्पादों को ऐसा मंच मिलना बहुत अच्छी बात है। उर्मिला नायर ने बताया कि ये सभी उत्पाद कोंडागांव के आदिवासी किसानों द्वारा तैयार किए जाते हैं और पूरी तरह से जैविक हैं।

सशक्त नारी और युवा शक्ति के संकल्प से बनाएंगे विकसित छत्तीसगढ़ : अरुण साव

विकास प्रदर्शनी का किया अवलोकन, रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का देर रात तक दर्शकों ने उठाया आनंद

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बिलासपुर के पुलिस परेड मैदान में जिला स्तरीय राज्योत्सव का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि श्री साव ने प्रदेशवासियों को राज्य स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि सशक्त नारियों और हुनरमंद युवाओं की भागीदारी से विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प साकार होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार जनकल्याण, अधोसंरचना विकास और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए तेजी से काम कर रही है।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी को नमन किया। उन्होंने कहा कि अटल जी ने छत्तीसगढ़ के लोगों की भावनाओं और कठिनाइयों को समझकर पृथक राज्य की



सौगात दी। धन-धान्य, वन और खनिज संपदा से समृद्ध छत्तीसगढ़ को अलग पहचान दिलाने वाले अटल जी सदैव यहां के लोगों के हृदय में बसे रहेंगे। उनके सपनों के अनुरूप समृद्ध और विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। श्री साव ने कहा कि राज्योत्सव की थीम 'सशक्त नारी, युवा उड़ान' सरकार की प्राथमिकताओं को अभिव्यक्त करती है। महतारी वंदन योजना और बिहान के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। युवाओं की शिक्षा और कौशल विकास के लिए नए संस्थान प्रारंभ किए जा रहे हैं। फैशन डिजाइनिंग जैसे क्षेत्रों में भी अवसर बढ़ाए जा रहे हैं। प्रत्येक जिले में नालंदा परिसर के निर्माण से युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने की पहल की गई है। यहां के युवा अपनी प्रतिभा से राष्ट्रीय स्तर पर परचम लहरा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। खेल अलंकरण सम्मान पुनः शुरू किया गया है। पहली बार आयोजित छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में सुदूर गांवों के बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला। उन्होंने मैनपाट की टीम के कक्षा ग्यारहवीं के खिलाड़ी मोहित के प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के युवा भी अपनी प्रतिभा से टीम को जीत दिला रहे हैं। बहतराई खेल प्रशिक्षण केंद्र की दो बेटियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी लगातार प्रदेश का गौरव बढ़ा रहे हैं और सरकार उन्हें आगे बढ़ने के लिए सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। श्री साव ने कहा कि सरकार मोदी की गारंटियों को पूरा करते हुए विकास कार्यों को गति दे रही है। बिलासपुर में बड़ी संख्या में सड़कों की स्वीकृति मिली है और अधोसंरचना का विस्तार हो रहा है। प्रदेश की बेहतर औद्योगिक नीति के कारण देश-दुनिया के निवेशक छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए रुचि दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले छत्तीसगढ़ की चर्चा नक्सलवाद के कारण होती थी। अब नक्सलवाद के विरुद्ध मिल रही सफलता से विकास के नए रास्ते खुल रहे हैं। छत्तीसगढ़ और अधिक खुशहाल तथा समृद्ध बनेगा। महापौर पूजा विधानी ने अपने संबोधन में कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने छत्तीसगढ़ को पृथक राज्य और विशिष्ट पहचान दी। राज्य गठन के बाद छत्तीसगढ़ ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में विकास कार्यों को गति मिली है और प्रदेश विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर है।







अभिनय ही नहीं... शब्दों के भी बादशाह

हार-जीत और जिंदगी पर किस तरह सोचते हैं शाहरुख ?

अपनी अदाकारी के अलावा शाहरुख खान अक्सर अपनी बातों से भी दर्शकों का दिल जीत लेते हैं। हाजिरजवाबी के मामले में उनका जवाब नहीं। वहीं, जिंदगी, परिवार और दोस्ती को लेकर भी उनका नजरिया काफी अलग है, जो दूसरों को भी प्रेरित करता है। सफलता और असफलता पर भी वे ऐसी बातें कहते हैं, जो दूसरों के लिए किसी सीख से कम नहीं हैं। 02 नवंबर को शाहरुख के 61वें जन्मदिन के मौके पर जानते हैं शाहरुख खान की कुछ ऐसी बातें, जो जिंदगी का अलग नजरिया पेश करती हैं।

'खुद को थामे रखें, जैसे हैं वैसे ही बने रहें'

साल 2012 में येल यूनिवर्सिटी में शाहरुख खान को 'चब फेलो' चुना गया। इस दौरान शाहरुख ने स्टूडेंट्स को संबोधित करते हुए अपनी पहचान बनाए रखने की जरूरत पर बात की थी। उन्होंने कहा था कि मुश्किल समय में खासतौर पर खुद को थामे रखना जरूरी होता है, जब दुनिया किसी इंसान को समझने या पहचानने में नाकाम हो सकती है। शाहरुख खान के मुताबिक, 'जिंदा रहने के लिए आप सिर्फ एक ही चीज कर सकते हैं, आप अंदर से जैसे हैं, वैसे ही बने रहें। दुनिया आपके साथ बुरा बर्ताव करेगी। वह आपको देख नहीं पाएगी। ऐसे समय में आपको खुद को देखना सीखना होगा'।

'कन्फ्यूज होना ठीक है'

साल 2015 में एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी ने शाहरुख खान को डॉक्टरेट की डिग्री दी थी। इसे किंग खान ने एक यादगार स्पीच के साथ स्वीकार किया। एक्टर ने कन्फ्यूजन को क्लैरिटी पाने का एक जरूरी हिस्सा बताया। उन्होंने कहा, 'कन्फ्यूज होना ठीक है। कन्फ्यूजन ही दुनिया में सारी क्लैरिटी का रास्ता है। इसके बारे में ज्यादा चिंता न करें और कभी भी खुद को इतना गंभीर न लें कि आप अपने विचारों को लेकर इतने क्लियर हो जाएं कि दूसरों की राय का सम्मान करना बंद कर दें'। एक्टर ने स्टूडेंट्स को हिम्मत दी कि वे अपनी सोच को लेकर इतने सख्त न बनें कि वे दूसरों की राय का सम्मान करना बंद कर दें।

दयालु बनें, इसका लाभ आपको ही मिलेगा

एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स को संबोधित करते हुए शाहरुख खान ने करुणा और दया पर बात रखी थी। उन्होंने कहा था कि दूसरों की मदद करना उन पर कोई एहसान करना नहीं है, बल्कि उस काम में ही खुशी पाना है। शाहरुख खान ने स्पीच के दौरान कहा था, 'दूसरों को अपना सब कुछ दें। जब आप ऐसा कर रहे हों, तो यह भी पक्का कर लें कि आप दयालु बनकर किसी पर कोई एहसान नहीं कर रहे हैं। यह सब बस आपको वह छोटी सी फीलिंग दिलाने के लिए है, जो खुद से पूरी तरह खुश होने से आती है। आखिरकार, आप दूसरों के लिए जो भी मदद, चैरिटी का काम कर रहे हैं, किसी के प्रति दयालुता दिखा रहे हैं उससे सबसे ज्यादा फायदा हमेशा आपको ही मिलेगा'।

नाकामयाबी कामयाबी सिखाती है

असफलता और असफलता को लेकर भी किंग खान का अलग नजरिया है। वे मानते हैं कि कामयाबी खुशी देती है, लेकिन नाकामयाबी और उस पर आपकी प्रतिक्रिया ही तरक्की की ओर ले जाती है। एक्टर के मुताबिक, 'सफलता एक बहुत अच्छी चीज है, लेकिन यह ऐसा अनुभव नहीं है जिससे हम सीखते हैं। हम इसका आनंद लेते हैं। शायद हम इसके लायक भी हों, लेकिन हम इससे समझदारी नहीं सीखते। शायद इसीलिए इसे आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। अगर आप नाकामयाबी से नहीं डरते, तो आपके कामयाब होने की संभावना कम है। नाकामयाबी का न होना आपको कामयाब नहीं बनाता। नाकामयाबी पर आपका रिएक्शन ही असल में उन मुश्किलों को कम करने में मदद करता है, जिनका आप अनुभव करते हैं'। शाहरुख ने येल यूनिवर्सिटी में अपने भाषण के दौरान यह कहा था।

शुभचिंतकों की मेहरबानी को कम मत समझो

बहुत अधिक शोहरत और दौलत पाने के बावजूद शाहरुख खान का मानना है कि कोई भी कामयाबी या दौलत इंसानी रिश्तों, करुणा और जरूरत में काम आए लोगों की जगह नहीं ले सकती। शाहरुख खान ने कहा, 'चाहे आप कितने भी अमीर, कामयाब और मशहूर क्यों न हो जाएं, दूसरों की मेहरबानी को कभी कम मत समझो। वे आप पर इसलिए मेहरबान होते हैं, क्योंकि वे आपकी मेहरबानी के हकदार हैं। हो सकता है आप अपने दोस्त को उसके जन्मदिन पर महंगी कार दे दें, लेकिन यह उस दिन का कोई विकल्प नहीं है जब कोई आपके बुरे दिनों में आपकी नाराजगी भरे लेक्चर को सब्र से सुनता है'।

'इस बार दिल में आग लगी है'

फिल्म 'डंकी' के तीन साल बाद शाहरुख खान अब फिल्म 'किंग' के साथ बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। शाहरुख जल्द ही फिल्म 'किंग' में नजर आने वाले हैं। उनके बर्थडे के मौके पर मेकर्स ने फिल्म का पहला गाना- 'तू मिल जाए' 2 नवम्बर को रिलीज किए है, जिसके बाद फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। बर्थडे के मौके पर शाहरुख ने खुद इस गाने की रिलीज का अपडेट शेयर किया। गाना शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'ये दौर इश्क का नसीब वालों को मिलता है... जहां बारूद की खुशबू में गुलाब खिलता है... प्यार और बाकी लड़ाइयों का।'



गाने में शाहरुख खान एक एक्शन हीरो और लवर के तौर पर नजर आ रहे हैं। गाने के शुरुआत में शाहरुख कहते हैं- 'मैं कातिल नहीं आशिक हूं, और निशाना मेरी माशूका।' इसके बाद उनके साथ दीपिका पादुकोण नजर आ रही हैं। गाने में एक बार फिर शाहरुख-दीपिका की रोमांटिक केमिस्ट्री देखने को मिल रही है।

रोमांटिक गाने के बीच में कई एक्शन-पैक सीन भी देखने को मिलते हैं। इस दौरान एक तरफ शाहरुख हथियारों की स्मगलिंग करते नजर आते हैं, तो वहीं दूसरी तरफ एक आशिक की तरह। गाने के बीच में बॉलीवुड के बादशाह शर्टलेस सीन के साथ अपनी शानदार बॉडी भी फ्लेक्स करते नजर आते हैं।

कब रिलीज होगी 'किंग'

फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं।

दिलचस्प बात यह है कि इस प्रोजेक्ट में शाहरुख खान अपनी बेटी सुहाना खान के साथ काम कर रहे हैं।

यह सुहाना खान की बड़े पर्दे पर पहली फिल्म होगी।

फिल्म में दीपिका पादुकोण, अभिषेक बच्चन, अभय वर्मा, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, अरशद वारसी, जयदीप अहलावत, राघव जुयाल और रानी मुखर्जी जैसे सितारे भी नजर आएंगे।

फिल्म 'किंग' 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म 'इट्लू अर्जुन' से अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे अनीश, 13 नवंबर को सिनेमाघरों में होगी रिलीज



नए कलाकार अनीश तेलुगु फिल्म 'इट्लू अर्जुन' के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। फिल्म में अभिनेत्री अनस्वरा राजन मुख्य भूमिका में नजर आएंगी, जबकि इसका निर्देशन महेश उप्पाला कर रहे हैं। निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म का नया पोस्टर जारी करते हुए इसकी प्रदर्शन तिथि की घोषणा की है। यह फिल्म 13 नवंबर 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म का निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। नए पोस्टर के माध्यम से रिलीज की तारीख सामने आने के बाद दर्शकों के बीच इसे लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। फिल्म में अनीश एक ऐसे युवक की भूमिका निभा रहे हैं, जो न तो बोल सकता है और न ही सुन सकता है। इस चुनौतीपूर्ण किरदार के जरिए वह अपनी अभिनय क्षमता दिखाने की कोशिश करेंगे।

'इट्लू अर्जुन' का निर्माण जाने-माने फिल्म निर्माता वेंकी कुडुमुला अपने निर्माण संस्थान 'व्हाट नेक्स्ट एंटरटेनमेंट्स' के बैनर तले कर रहे हैं। फिल्म को अभिनेता नागार्जुन प्रस्तुत कर रहे हैं। राजा महेंद्रन ने इसकी छायांकन की जिम्मेदारी संभाली है, जबकि संगीत थमन ने तैयार किया है। फिल्म की कहानी, कलाकारों की भूमिकाओं और नए कलाकार अनीश के अभिनय को लेकर दर्शकों में उत्सुकता बनी हुई है। नागार्जुन के फिल्म प्रस्तुत करने और अनुभवी निर्माण टीम के जुड़ने से इस परियोजना को लेकर उम्मीदें बढ़ गई हैं।

17 साल बाद डर का डोज देंगी क्वीन.....

पर्दे पर पहली बार दिखेगी कंगना-राणा की जोड़ी, हॉरर फिल्म से मचेगा तहलका

बॉलीवुड की बेबाक अभिनेत्री कंगना रनौत एक बार फिर बड़े पर्दे पर कुछ नया करने जा रही हैं। इस बार वह हॉरर जॉनर में अपनी वापसी की तैयारी में हैं। खास बात यह है कि फिल्म में उनके साथ साउथ के मशहूर अभिनेता राणा दग्गुबाती नजर आएंगे, जिन्हें 'बाहुबली' में भल्लालदेव के किरदार से जबरदस्त पहचान मिली थी। फिल्म का नाम 'स्केरी पिक्चर' रखा गया है। इस प्रोजेक्ट की घोषणा के बाद से ही फिल्मी गलियारों में इसकी चर्चा शुरू हो गई है।



राणा दग्गुबाती ने 'हॉररकॉन' में किया ऐलान

अभिनेता और निर्माता राणा दग्गुबाती ने शनिवार को आयोजित 'हॉररकॉन' कार्यक्रम में इस नई हॉरर फिल्म का ऐलान किया। उन्होंने बताया कि फिल्म में कंगना रनौत मुख्य भूमिका निभाएंगी और इसका निर्देशन रवि बाबू करेंगे। राणा ने कहा कि रवि बाबू उनके दोस्त हैं और तेलुगु सिनेमा में कई हॉरर फिल्में बना चुके हैं। अब वह पहली बार हिंदी फीचर फिल्म का निर्देशन करने जा रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म के टाइटल की घोषणा भी इसी कार्यक्रम में पहली बार की गई। 'स्केरी पिक्चर' के जरिए निर्देशक रवि बाबू हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी शुरुआत करेंगे। साउथ सिनेमा में हॉरर फिल्मों को लेकर उनका अनुभव इस प्रोजेक्ट को खास बनाता है। हालांकि, फिल्म की कहानी, शूटिंग शेड्यूल और रिलीज डेट को लेकर अभी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

कंगना रनौत ने भी इस घोषणा से जुड़ा वीडियो अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया है। इससे फिल्म को लेकर उनकी उत्सुकता का अंदाजा लगाया जा सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फिल्म करीब 17 साल बाद हॉरर जॉनर में उनकी वापसी मानी जा रही है।

कंगना इससे पहले अलग-अलग जॉनर की फिल्मों में अपनी एक्टिंग का दम दिखा चुकी हैं। अब 'स्केरी पिक्चर' में उनका नया अंदाज देखने को मिलेगा। वहीं, राणा दग्गुबाती और कंगना की फ्रेश जोड़ी भी दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगी। फिलहाल फैंस को फिल्म की कहानी और बाकी स्टारकास्ट से जुड़ी आधिकारिक जानकारी का इंतजार है।

घंटों ट्रेडमिल पर दौड़ने के बाद भी नहीं घट रही चर्बी? तुरंत इन गलतियों पर लगाएं लगाम

पेट के आसपास की चर्बी बढ़ना सेहत के लिए सबसे बड़ा खतरा माना जाता है। ये समस्या सिर्फ बुजुर्गों तक सीमित नहीं रह गई है, कम उम्र के लोगों यहां तक कि बच्चों को भी इसका शिकार पाया जा रहा है। आप रोजाना जिम जाते हैं, ट्रेडमिल पर पसीना बहाते हैं, वेट ट्रेनिंग करते हैं और इसके बावजूद पेट की चर्बी कम होने का नाम नहीं ले रही है? ऐसे में मन में सवाल आता है कि आखिर इतनी मेहनत के बाद भी वजन क्यों नहीं घट रहा? कई लोग इसकी वजह स्लो मेटाबॉलिज्म को मान लेते हैं तो कुछ लोग अपनी एक्सरसाइज को और बढ़ा देते हैं।



मोटापा और पेट की चर्बी

जिम जाने और शारीरिक मेहनत के बाद भी अगर आपके पेट की चर्बी कम नहीं हो रही है तो इसका एक बड़ा कारण डाइट की गड़बड़ी भी हो सकती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, वेट लॉस का फॉर्मूला है कि आप जितनी कैलोरी इंटेक कर रहे हैं, उससे ज्यादा बर्न करें। अगर आप कम कैलोरी बर्न कर पा रहे हैं और उससे ज्यादा कैलोरी खाने-पीने से ले रहे हैं तो वजन कम होना मुश्किल हो सकता है।

कई बार हेल्दी समझकर खाए जाने वाले नट्स, प्रोटीन शेक, स्मूदी भी कैलोरी बढ़ा देती है। इसलिए सिर्फ वर्कआउट करना काफी नहीं है, इसके साथ-साथ आपको खाने पर भी गंभीरता से ध्यान देते रहना चाहिए।

हेल्दी फूड के नाम पर बढ़ रही हैं कैलोरी

जिम जाने वाले कई लोग वर्कआउट के बाद प्रोटीन शेक, पीनट बटर, ड्राई फ्रूट्स और एनर्जी बार लेते हैं। ये चीजें अपने आप में खराब नहीं हैं, लेकिन इनकी मात्रा पर ध्यान देना जरूरी है। नट्स को पौष्टिक माना जाता है, लेकिन उनमें कैलोरी भी काफी अधिक होती है। जरूरत से ज्यादा खाने पर इससे कैलोरी सरप्लस की दिक्कत हो सकती है। वेट लॉस के लिए खान-पान को लेकर सावधान रहना बहुत जरूरी है। नियमित व्यायाम के साथ खाने की प्लेट पर भी गंभीरता से ध्यान देते रहें।

एक्सरसाइज पर भी दें ध्यान

पेट की एक्सरसाइज से पेट की मांसपेशियां मजबूत हो सकती हैं, लेकिन सिर्फ क्रंचेज या प्लैंक करने से आपको पूरा लाभ नहीं मिलेगा।

शरीर में फैट कम होने की प्रक्रिया पूरे शरीर में होती है। इसके लिए संतुलित डाइट, नियमित गतिविधि और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग का संतुलन बनाना जरूरी है।

इन बातों पर दें ध्यान

वेट लॉस करना है तो डाइट और लाइफस्टाइल के बीच संतुलन बहुत जरूरी है। अपनी रोजाना की डाइट और खाने की मात्रा पर नजर रखें। प्रोटीन, फाइबर और सब्जियों को भोजन में शामिल करें। मीठे पेय और जरूरत से ज्यादा कैलोरी वाले स्नैक्स कम करें।

कार्डियो के साथ स्ट्रेंथ ट्रेनिंग भी करें। जिम के अलावा दिनभर चलने-फिरने की आदत बढ़ाएं। वजन के साथ कमर की चौड़ाई भी चेक करते रहें।

ज्यादा खाने के बाद पाचन स्वास्थ्य को आराम देने के लिए अपनाएं ये सुझाव



कई लोग एक दिन में ज्यादा खाने के बाद असहज महसूस करते हैं और उनके पाचन पर भी असर पड़ता है। ज्यादा खाना पाचन प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है और इससे बचाव के लिए खुद को नियंत्रित करना चाहिए। इससे न केवल आपका मनोबल बढ़ेगा, बल्कि आप फिर से सही दिशा में कदम उठाने के लिए प्रेरित होंगे। आइए जानते हैं कि ज्यादा खाने के बाद पाचन को कैसे बहाल किया जा सकता है।

हल्का-फुल्का व्यायाम करें

ज्यादा खाने के बाद हल्का-फुल्का व्यायाम करना बेहतर होता है। इससे आपका पाचन तंत्र सक्रिय हो सकता है और अतिरिक्त कैलोरी जल सकती हैं। आप टहल सकते हैं या फिर कुछ हल्के खिंचाव वाले व्यायाम कर सकते हैं। इससे आपका शरीर सक्रिय रहेगा और आपको आराम महसूस होगा। इसके अलावा हल्के व्यायाम से आपका मन भी अच्छा रहेगा और आप फिर से सही दिशा में कदम उठाने के लिए प्रेरित होंगे।

पानी अधिक पिएं

ज्यादा खाने के बाद पानी पीना बहुत जरूरी है। पानी पीने से आपके शरीर से हानिकारक तत्व बाहर निकलते हैं और पाचन प्रक्रिया को आराम मिलता है। आप नारियल पानी या नींबू पानी भी पी सकते हैं, जो आपके शरीर को पोषण देता है और पानी की कमी नहीं होने देता। इसके अलावा पानी पीने से आपको ऊर्जा मिलती है और आप तरोताजा महसूस करते हैं। यह आपके शरीर को ठंडक भी पहुंचाता है।

हल्का भोजन करें

ज्यादा खाने के बाद अगले दिन हल्का भोजन करना बेहतर होता है। आप दही, खिचड़ी या सूप जैसी चीजें खा सकते हैं, जो आसानी से पच जाती हैं और आपके शरीर को पोषण देती हैं।

इससे आपका पाचन तंत्र भी आराम करेगा और आपको भारीपन महसूस नहीं होगा। हल्का भोजन खाने से आप तरोताजा महसूस करेंगे और शरीर को ऊर्जा मिलेगी। इसके अलावा हल्का भोजन आपके शरीर को हानिकारक तत्वों से मुक्त करने में मदद करेगा।

ज्यादा खाने के बाद आराम करना बहुत जरूरी है। इससे आपका शरीर फिर से ऊर्जा प्राप्त कर सकता है और मानसिक शांति भी मिलती है। आप सो सकते हैं या फिर कुछ देर के लिए चुपचाप बैठ सकते हैं और गहरी सांस ले सकते हैं, जिससे आपका मन शांत रहेगा और आप तरोताजा महसूस करेंगे। आराम करने से आपके शरीर को ऊर्जा मिलेगी और आप फिर से सक्रिय होने के लिए प्रेरित होंगे।

खास-खबर

निर्माण कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, तय समय में पूरे करें सभी काम : अरुण साव

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने आज मुंगेली नगर पालिका क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का मौके पर पहुंचकर जायजा लिया। उन्होंने निर्माणाधीन प्रवेश द्वार, स्विमिंग पूल, नालंदा परिसर और नगर पालिका भवन का निरीक्षण कर अधिकारियों से कार्यों की प्रगति और वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। श्री साव ने निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश देते हुए अधिकारियों से कहा कि गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए। सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरे हों और निर्माण में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जाए।

शिल्पग्राम में रेशम उत्पादन की प्रक्रिया जानने उमड़ रहे लोग

रायपुर। राज्योत्सव परिसर स्थित शिल्पग्राम में ग्रामोद्योग विकास विभाग के स्टॉल पर रेशम कीटपालन की प्रक्रिया समझने बड़ी संख्या में किसान एवं आम नागरिक पहुंच रहे हैं। प्राकृतिक रेशम कीड़ों को देखने के लिए भी लोगों में खासा उत्साह दिख रहा है। स्टॉल में रेशम के विभिन्न प्रकारों और उनसे तैयार होने वाले धागों को प्रदर्शित किया गया है। इनमें मलबरी सफेद कोया, मलबरी रंगीन कोया, मलबरी पीला मैसूर, मलबरी सफेद रिल्ड, टसर स्पन धागा, टसर बाना धागा, डाबा पालित कोसा और रैली साबू बीज प्रमुख हैं। इन धागों का उपयोग कोसा सिल्क, मलबरी सिल्क के साथ-साथ बनारसी एवं कांजीवरम जैसी पारंपरिक साड़ियों के निर्माण में किया जाता है। लोग रेशम के प्रकारों, उसके उत्पादन और वस्त्र निर्माण की प्रक्रिया को करीब से जान-समझ रहे हैं। जहां प्रदेश के विभिन्न जिलों के विशेष सिल्क उत्पाद रखे गए हैं। इनमें सारंगढ़ से समलेश्वरी मलबरी सिल्क एवं समलेश्वरी टसर सिल्क, सरगुजा से महामाया सिल्क, गरियाबंद से गंडेश्वर सिल्क और जांजगीर-चांपा से प्रसिद्ध चांपा सिल्क के रेशम धागे और अन्य सामग्री शामिल हैं।

राज्योत्सव-2026 के शिल्प ग्राम में उमड़ रहा लोगों का आकर्षण, मिट्टी के दीये और पारंपरिक कलाकृतियां बनीं खास आकर्षण

मिट्टी की कलाकृतियों में झलक रही छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोककला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्योत्सव 2026 के शिल्प ग्राम में छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोककला, पारंपरिक शिल्प और प्राचीन सांस्कृतिक विरासत की अनूठी झलक देखने को मिल रही है। यहां मिट्टी से बनी कलाकृतियां, पारंपरिक बर्तन, आकर्षक मूर्तियां और अन्य हस्तनिर्मित वस्तुएं लोगों को खूब पसंद आ रही हैं। शिल्प ग्राम में पहुंचने वाले लोग इन कलाकृतियों को न केवल उत्सुकता से देख रहे हैं, बल्कि इनके निर्माण की परंपरा और पुराने समय में इनके उपयोग के बारे में भी जानकारी ले रहे हैं।



शिल्प ग्राम में प्रदर्शित मिट्टी के पारंपरिक बर्तन लोगों को उस दौर की याद दिला रहे हैं, जब मिट्टी से बने घड़े, सुराही, मटके, कुल्हड़, हांडी और अन्य घरेलू वस्तुएं दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा हुआ करती थीं। आधुनिक सुविधाओं और नए जमाने के बर्तनों के बीच इन पारंपरिक वस्तुओं को देखकर नई पीढ़ी भी यह जानने के लिए उत्सुक नजर आ रही है कि पहले के समय में लोग किस तरह मिट्टी के बर्तनों का उपयोग करते थे। इन कलाकृतियों के माध्यम से लोग हमारी पुरानी जीवनशैली, स्थानीय कारीगरों के हुनर और पारंपरिक ज्ञान से रूबरू हो रहे हैं। आगामी दीपावली पर्व को देखते हुए शिल्प ग्राम में मिट्टी के दीयों और कलात्मक मूर्तियों का विशेष आकर्षण है। पारंपरिक मिट्टी के दीयों के साथ ही विभिन्न आकारों और आकर्षक रूपों में तैयार की गई मूर्तियां लोगों मुग्ध कर रही हैं। पर्यावरण के अनुकूल और स्थानीय कारीगरों के हाथों से तैयार इन वस्तुओं के प्रति लोगों की रूचि यह जाहिर करती है कि आधुनिकता के दौर में भी पारंपरिक उत्पादों का महत्व कम नहीं हुआ है। दीपावली पर घरों को मिट्टी के दीयों से रोशन करने और मिट्टी की कलात्मक मूर्तियों से सजाने की परंपरा आज भी लोगों के मन में विशेष स्थान रखती है।

शिल्प ग्राम में प्राचीन कलाकृतियों का प्रदर्शन केवल खरीदारी और मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने का भी एक महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है। यहां आने वाले लोग पारंपरिक शिल्पकला को करीब से समझ रहे हैं और कारीगरों की मेहनत, रचनात्मकता तथा पीढ़ियों से चली आ रही कला परंपरा की सराहना कर रहे हैं। शासन द्वारा शिल्पकारों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। राज्योत्सव का शिल्प ग्राम इस तरह हमारी प्राचीन विरासत और आधुनिक जीवन के बीच एक सुंदर सेतु बनकर उभरा है। मिट्टी की इन कलाकृतियों में केवल शिल्पकारों का कौशल ही नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा और लोकजीवन की आत्मीय झलक भी समाहित है।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026: शिल्पग्राम साज-सज्जा जनमानस को कर रही मुग्ध

रायपुर। नवा रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 में शिल्पग्राम की साज-सज्जा अनायास ही जनमानस को मुग्ध कर रही है। शिल्पग्राम की खूबसूरत सजावट फिर चाहे धातुओं से बनी बेहतरीन कलाकृतियां हों, मिट्टी और लकड़ियों में की गई कारीगरी, सिल्क हो या कपड़े, चारों ओर है कारीगरी की बेजोड़ दुनिया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह स्थान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संदेश वोकल फॉर लोकल के संदेश को आत्मसात करता दिखाई दे रहा है। शिल्पग्राम में स्थानीय उत्पादों को जिस तरह प्रस्तुत किया गया है जिससे यह अभिव्यक्त हो रहा है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय पीएम के संदेश को साकार कर रहे हैं।

शिल्पग्राम में हथकघरा के उत्पादों में लोगों की खासी दिलचस्पी है। साड़ियां, शर्ट और अन्य उत्पादों से लेकर घर के लिए सजावटी सामानों की विविधता से शिल्पग्राम लोगों को अपनी तरफ आकर्षित कर रहा है। कोशल फैब का स्टाल बरबस ही सबका ध्यान अपनी तरफ खींचता है। कोशल फैब ब्रांड की जानकारी देते हुए रीतेश कुमार सिंह ने बताया कि अगस्त महीने में ही मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने



छत्तीसगढ़ के प्रीमियम हैंडलूम ब्रांड कोशल फैब की लांचिंग की थी। इस दौरान इन्वेंट्री मैनेजमेंट साफ्टवेयर का भी शुभारंभ किया गया था जिससे नवाचारों के लिए लोकल टू ग्लोबल का सफर आसान बनाया जा सके। 'लूम टू लग्जरी' की अवधारणा पर आधारित यह प्रीमियम ब्रांड छत्तीसगढ़ के कोसा एवं पारंपरिक हथकरघा उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई पहचान दिलाने तथा उन्हें वैश्विक स्तर तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। शिल्पग्राम में बस्तर की विशिष्ट कलाकृतियां भी लोगों के कौतूहल का केंद्र बनी हुई हैं।

सीनियर विमेंस टी-20 टूर्नामेंट: गोवा ने छत्तीसगढ़ को 8 रन से हराया, लगातार जीत का सिलसिला टूटा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बीसीसीआई द्वारा आयोजित सीनियर विमेंस टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 में छत्तीसगढ़ की टीम को पांचवें मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। 2 नवंबर 2026 को सूरत में खेले गए मुकाबले में गोवा ने छत्तीसगढ़ को 8 रनों से हरा दिया।

छत्तीसगढ़ ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी गोवा की टीम 19.1 ओवर में 112 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। गोवा की ओर से तेजस्वनी और



शीखा पांडे ने 27-27 रन बनाए, जबकि पूर्वजा वर्लेकर ने 22 रनों का योगदान



दिया। छत्तीसगढ़ की ओर से प्रीति यादव और अंशी अग्रवाल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3-3 विकेट हासिल किए। वहीं उर्मिला हरिना ने 2 विकेट अपने नाम किए। 113 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी छत्तीसगढ़ की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट खोकर 104 रन ही बना सकी। छत्तीसगढ़ की ओर से सृष्टि शर्मा और कृति गुप्ता ने 28-28 रन बनाए, जबकि शिवानी कृष्णा ने 22 रनों का योगदान दिया। गोवा की ओर से श्रेया ने 3 विकेट और पूर्वा ने 2 विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस तरह गोवा ने रोमांचक मुकाबले में छत्तीसगढ़ को 8 रनों से हराकर जीत दर्ज की।

राज्योत्सव 2026 में स्मार्ट पंजीयन कार्यालय बना आकर्षण का केंद्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 में पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग द्वारा स्मार्ट पंजीयन कार्यालय की थीम पर तैयार किया गया स्टॉल नागरिकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। राज्योत्सव परिसर में विभाग द्वारा डोम नंबर-2 में स्थित स्टॉल के माध्यम से पंजीयन सेवाओं में किए गए महत्वपूर्ण सुधारों, आधुनिक तकनीकों और नागरिकों की सुविधा के लिए लागू किए गए नवाचारों की जानकारी दी जा रही है। यहां आने वाले नागरिक संपत्ति पंजीयन की बदलती कार्यप्रणाली, रजिस्ट्री की प्रक्रिया और विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं से परिचित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व तथा वित्त एवं पंजीयन मंत्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में पंजीयन सेवाओं को अधिक पारदर्शी, सरल, सुगम और नागरिक-केंद्रित बनाने की दिशा में लगातार महत्वपूर्ण सुधार किए जा रहे हैं। आधुनिक तकनीक और डिजिटल सुविधाओं के माध्यम से संपत्ति पंजीयन की प्रक्रिया को अधिक सुविधाजनक बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। राज्योत्सव में विभागीय स्टॉल के माध्यम से इन्हीं सुधारों और सुविधाओं को आम नागरिकों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

खाना खजाना जोन में छत्तीसगढ़ी व्यंजन स्टॉल बना आकर्षण का केन्द्र

श्रीकंचनपथ न्यूज



रायपुर। नवा रायपुर में चल रहे राज्योत्सव में खाना खजाना जोन में छत्तीसगढ़ी व्यंजन स्टॉल लोगों के बीच आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। स्टॉल क्रमांक 12 छत्तीसगढ़ी व्यंजन - जय जोहार जय छत्तीसगढ़ पर पारंपरिक व्यंजनों का लुत्फ उठाने के लिए लोगों की कतार लगी हुई है।

यहां परोसे जा रहे मूंग बड़ा का स्वाद लोगों को सबसे ज्यादा भा रहा है, खासकर पताल (टमाटर) की चटपटी चटनी के साथ इसका स्वाद और भी लाजवाब हो जाता है। गर्मागर्म मूंग बड़ा और चटपटी चटनी के कॉम्बिनेशन की लोग जमकर तारीफकर रहे हैं। स्टॉल पर पहुंचे उपरवारा निवासी प्रीतम पटेल, उमेश देवांगन और उर्मिला कुमारी ने व्यंजनों का स्वाद लेकर तारीफकी। उन्होंने कहा कि पताल की चटनी के साथ मूंग बड़ा का स्वाद बिल्कुल घर जैसा है। ऐसे स्टॉल से हमारी छत्तीसगढ़ी संस्कृति को बढ़ावा मिल रहा है।

स्टॉल के संचालक बलौदाबाजार के नीरज चंद्राकर ने बताया कि उनके स्टॉल पर छत्तीसगढ़ी व्यंजनों को पूरी शुद्धता और पारंपरिक तरीके से तैयार किया जा रहा है। चंद्राकर ने बताया कि विधानसभा सत्र के दौरान भी विधानसभा परिसर में उनके द्वारा ठेठरी, खुरमी सहित अन्य छत्तीसगढ़ी व्यंजनों की सप्लाई की गई थी, जिसे काफी सराहा गया था।

रणजी ट्रॉफी: हैदराबाद के खिलाफ छत्तीसगढ़ की मजबूत शुरुआत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बीसीसीआई द्वारा आयोजित रणजी ट्रॉफी 2026-27 में छत्तीसगढ़ की टीम अपने चौथे मुकाबले में हैदराबाद के विरुद्ध मैदान पर उतरी। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला 2 से 5 नवंबर 2026 तक जिमखाना स्टेडियम, हैदराबाद में खेला जा रहा है। मुकाबले के पहले दिन छत्तीसगढ़ के बल्लेबाजों ने धैर्य और संयम के साथ बल्लेबाजी करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। दिन का खेल समाप्त होने तक छत्तीसगढ़ ने 87 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 279 रन बना लिए थे।

छत्तीसगढ़ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। टीम की शुरुआत के बाद मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने

पहले दिन 7 विकेट पर बनाए 279 रन





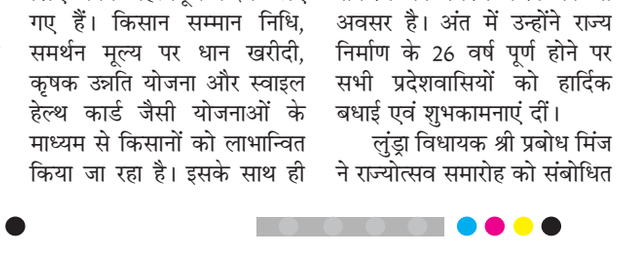
पारी को संभालने की जिम्मेदारी निभाई। छत्तीसगढ़ की ओर से कप्तान अनुज तिवारी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 72 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली।

वहीं विकल्प तिवारी ने भी उनका अच्छा साथ देते हुए 69 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों के बीच हुई 54 रनों की साझेदारी ने टीम को मजबूती प्रदान की और स्कोर को 250 रनों के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। कप्तान अनुज तिवारी और विकल्प तिवारी की उपयोगी पारियों के अलावा मयंक वर्मा तथा जयंत यादव ने भी टीम के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। दोनों बल्लेबाजों ने 36-36 रन बनाए। इन पारियों की बदौलत छत्तीसगढ़ की टीम पहले दिन सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचने में सफल रही। वहीं हैदराबाद की ओर से गेंदबाजी करते हुए रक्षण रेड्डी और अनिकेत रेड्डी ने प्रभावी प्रदर्शन किया। दोनों गेंदबाजों ने 2-2 विकेट हासिल कर छत्तीसगढ़ की बल्लेबाजी पर अंकुश लगाने का प्रयास किया।

पहले दिन का खेल समाप्त होने तक छत्तीसगढ़ ने 87 ओवरों में 7 विकेट खोकर 279 रन बना लिए हैं। अब मुकाबले के दूसरे दिन छत्तीसगढ़ की नजरें शेष विकेटों के साथ अधिक से अधिक रन जोड़कर पहली पारी में बड़ा स्कोर खड़ा करने पर रहेंगी। वहीं हैदराबाद की टीम जल्द से जल्द शेष विकेट हासिल कर छत्तीसगढ़ की पारी को समेटने का प्रयास करेगी।

छत्तीसगढ़ को विकास के सशक्त मॉडल के रूप में स्थापित करने की दिशा में राज्य शासन कर रही है कार्य- मंत्री रामविचार नेताम

श्रीकंचनपथ न्यूज



रायपुर। राज्योत्सव 2026 समारोह का शानदार आयोजन अम्बिकापुर के कला केंद्र मैदान में हुआ। मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी, मछलीपालन, पशुधन विकास विभाग मंत्री रामविचार नेताम ने उपस्थित लोगों को राज्य स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान मुख्य अतिथि कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने राज्योत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की दूरदर्शी सोच और ऐतिहासिक निर्णय का परिणाम है।

इसके लिए उन्होंने श्री वाजपेयी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य निर्माण के 26 वर्ष पूरे होना छत्तीसगढ़वासियों के लिए गौरव और ऐतिहासिक उपलब्धि का अवसर है। राज्य निर्माण के बाद से छत्तीसगढ़ ने विकास के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर प्रगति की है और आज प्रदेश तेजी से विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार सड़क, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के लिए व्यापक स्तर पर कार्य कर रही है। प्रदेश में सड़कों का निर्माण तेजी से किया जा रहा है तथा गांव-गांव तक पक्की सड़क, आवास और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को विकास के एक सशक्त मॉडल के रूप में स्थापित करने की दिशा में सरकार योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। कृषि मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ का विकास यहां के किसानों, आदिवासियों, युवाओं, महिलाओं, ग्रामीणों और समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों के उत्थान से जुड़ा हुआ है। सरकार इन सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए व्यापक कार्ययोजना के साथ आगे बढ़ रही है। विशेष रूप से किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने और कृषि क्षेत्र को समृद्ध बनाने के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। किसान सम्मान निधि, समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, कृषक उन्नति योजना और स्वाइल हेल्थ कार्ड जैसी योजनाओं के माध्यम से किसानों को लाभान्वित किया जा रहा है। इसके साथ ही किसानों की सुविधा के लिए नए धान खरीदी केंद्र भी प्रारंभ किए जा रहे हैं। उन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाओं को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। महतारी वंदन योजना से हर महीने उन्हें एक निश्चित राशि प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़वासियों के वर्षों के संघर्ष, परिश्रम और संकल्प का ही परिणाम है कि आज प्रदेश विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह राज्योत्सव केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि प्रदेश की विकास यात्रा, उपलब्धियों और सामूहिक संकल्प को स्मरण करने का भी अवसर है। अंत में उन्होंने राज्य निर्माण के 26 वर्ष पूर्ण होने पर सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

लुंड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज ने राज्योत्सव समारोह को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण के लिए पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य गठन के बाद से छत्तीसगढ़ ने विकास के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर प्रगति की है। राज्य सरकार पूरे सरगुजा संभाग सहित प्रदेश के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

उन्होंने राज्य निर्माण के 26 वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हम सभी विकास की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। प्रदेश में बुनियादी सुविधाओं एवं अधोसंरचनाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। सड़क निर्माण के कार्यों को तेज गति से पूरा किया जा रहा है, जिससे आवागमन सुगम होने के साथ ही विकास की नई संभावनाएं भी साकार हो रही हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सामूहिक प्रयासों से छत्तीसगढ़ विकास के नए आयाम स्थापित करेगा।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, जिला पंचायत सरगुजा की अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, अम्बिकापुर नगर निगम की महापौर मंजूषा भगत, सभापति हरमिन्दर सिंह टिन्नी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव ने राज्योत्सव कार्यक्रम की जिले वासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।













खास खबर

युवती की संदिग्ध अवस्था में मौत, दुकान की छत पर पाया गया शव

जगदलपुर। शहर के बाफ्ना लाइफस्टाइल कपड़ा दुकान की छत पर स्थित जनरेटर रूम में सोमवार 21 वर्षीय युवती का शव मिलने से हड़कंप मच गया। मृतका की पहचान दंतेश्वरी वार्ड निवासी दीपा सागर के रूप में हुई है। शुरुआती तौर पर पुलिस आत्महत्या की आशंका जता रही है, लेकिन मौत की असल वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। जानकारी के अनुसार, रविवार 1 नवंबर की शाम करीब 6 बजे दीपा दुकान में नजर नहीं आई। सहकर्मियों को लगा कि वह घर चली गई होगी। इसके बाद दुकान बंद कर दी गई। सोमवार सुबह कर्मचारी छत पर स्थित जनरेटर रूम पहुंचे तो वहां दीपा का शव मिला। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए डिमरापाल अस्पताल भेज दिया है। मामले की जांच हर तरीके से की जा रही है।

ट्रक की चपेट में आई बाइक 60 वर्षीय महिला की मौत

बिलाईगढ़। नगर पंचायत भटगांव के मुख्य मार्ग पर बिर्रा-चांपा मोड़ के पास सोमवार सुबह ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार 60 वर्षीय महिला की मौत हो गई। बाइक चालक सुरक्षित है। जानकारी के मुताबिक ग्राम सराईपाली निवासी बूंद कुंवर स्प्लेंडर बाइक पर सवार थीं। बिर्रा-चांपा मोड़ के पास बाइक ट्रक की चपेट में आ गई। हादसे में महिला को गंभीर चोट लगी और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही भटगांव पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटना में शामिल ट्रक को पकड़ लिया। महिला के शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलाईगढ़ पहुंचाया गया। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

ट्रक और बाइक में भिड़ंत एक की मौत, तीन घायल

जांजगीर। सक्ती थाना क्षेत्र के पोरथा गांव के पास नेशनल हाईवे-49 पर तेज रफ्तार ट्रक और बाइक के बीच आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मृतक का चेहरा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घायलों में एक की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है। एक ही बाइक पर चार युवक सवार होकर एनएच-49 की ओर से सक्ती आ रहे थे। इसी दौरान सक्ती की तरफ से एक ट्रक हाईवे की ओर जा रहा था। पोरथा गांव के पास बाइक अनियंत्रित हो गई और सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। टक्कर के बाद बाइक सवार चारों युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गए। इनमें एक युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

मंथली सैलरी पर कर्मचारी रखकर चला रहे थे ऑनलाइन सट्टा, दो आरोपी गिरफ्तार, ऐप से हो रहा था कारोबार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। कोहका के राजा गार्डन स्थित एक मकान में WINBUZZ ऐप के जरिए क्रिकेट सट्टा चलाया जा रहा था। पुलिस ने दबिश देकर मौके से दो युवकों प्रकाश हरिनखेड़े और डिकेश प्रसाद तिवारी को गिरफ्तार किया है।

दोनों आरोपी मासिक वेतन पर सट्टा संचालन का काम करते थे। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 4 लाख 93 हजार रुपए नकद, 3 लैपटॉप, 1 आईपैड और 18 स्मार्टफोन समेत लाखों रुपए की सामग्री जब्त की है। यह कार्रवाई चौकी स्मृतिनगर, थाना सुपेला और एसीसीयु की संयुक्त टीम ने की।

दरअसल, पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि जी-9 टावर के पास राजा गार्डन स्थित देवेंद्र कुमार साहू के मकान में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा संचालित किया जा रहा है।

सूचना के आधार पर पुलिस टीम गवाहों की मौजूदगी में मौके पर पहुंची। टीम ने मकान की घेराबंदी कर दबिश दी और दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। पुलिस को देखकर कुछ संदिग्धों ने भागने की कोशिश भी की।

मासिक वेतन पर करते थे सट्टा संचालन का काम

एएसपी ग्रामीण मणिशंकर चंद्रा ने बताया कि शुरुआती पूछताछ में पता चला है कि मुख्य आरोपी देवेंद्र कुमार साहू अपने साथियों के साथ WINBUZZ ऐप के जरिए ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा संचालित करता था। इसके लिए लैपटॉप, मोबाइल फोन, सिम कार्ड के साथ अलग-अलग लोगों के बैंक खातों और एटीएम कार्ड का इस्तेमाल किया जाता था।

गिरफ्तार दोनों युवक इस नेटवर्क में मासिक वेतन पर काम करते थे। जांच में यह भी सामने



आया है कि कुछ लोगों के बैंक खातों का इस्तेमाल कथित तौर पर उनकी जानकारी के बिना सट्टे के लेन-देन के लिए किया जा रहा था। पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है।

पुलिस ने मौके से 4.93 लाख रुपए नकद, 3 लैपटॉप, 1 आईपैड और अलग-अलग कंपनियों के 18 स्मार्टफोन जब्त किए हैं। इसके अलावा 22 एटीएम कार्ड, 10 बैंक पासबुक, एयरटेल बैंक के 4 क्यूआर कोड स्कैनर, 1 एयरटेल वाई-फाई डिवाइस और 4 होंडा एक्टिवा स्कूटर भी जब्त किए गए हैं। पुलिस को मौके से अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज भी मिले हैं।

मुख्य आरोपी की तलाश जारी

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रकाश हरिनखेड़े (23), निवासी अर्जुन नगर, वैशाली नगर और डिकेश प्रसाद तिवारी (22), निवासी अर्जुन नगर, वैशाली नगर के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 7 और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 317(2), 317(4) और 61(2) के तहत मामला दर्ज किया है।

दोनों आरोपियों को 2 नवंबर को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्रवाई की गई। पुलिस अब गिरोह के मुख्य आरोपी देवेंद्र कुमार साहू और अन्य संभावित संलिप्त लोगों की तलाश कर रही है। मामले की जांच जारी है।

रायपुर में 13 साल की छात्रा से गैंगरेप, दो नाबालिग गिरफ्तार

आरोपियों ने डराया तो एक महीने तक चुप रही, तबीयत बिगड़ने पर मां को बताई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के विधानसभा थाना क्षेत्र में 13 साल की छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, वारदात को दो नाबालिगों ने अंजाम दिया। इसके बाद दोनों आरोपियों ने छात्रा को डराया-धमकाया था। इसी वजह से वह करीब एक महीने तक किसी को कुछ नहीं बता पाई।

अक्टूबर के आखिरी सप्ताह में छात्रा की अचानक तबीयत बिगड़ गई। उसे उल्टियां होने लगीं और चक्कर आने लगे। बेटी की हालत देखकर मां ने उससे परेशानी की वजह पूछी। इस दौरान छात्रा ने मां को अपने साथ हुई घटना के बारे में बताया। इसके बाद परिजनों को पूरे मामले की जानकारी हुई।

छात्रा के परिजनों ने मामले की शिकायत



विधानसभा थाने में दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों नाबालिग आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उनकी उम्र 14 और 16 साल बताई गई है।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने दोनों नाबालिगों को बाल न्यायालय में पेश किया। वहां से उन्हें बाल संप्रेक्षण गृह भेज दिया गया है। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

साले ने जीजा के घर से चुराए 37-लाख के गहने

ऑनलाइन जुए में कर्ज हुआ तो वारदात को दिया अंजाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के टिकरापारा इलाके में जीजा के सूने मकान से लाखों रुपए के गहने चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी फरियादी का सगा साला है।

मामला टिकरापारा के लक्ष्मी नगर का है। अनिल शर्मा कृषि विभाग में तकनीकी विशेषज्ञ हैं और उनकी पोस्टिंग कोंडागांव में है। वे अपने परिवार के साथ वहीं रहते हैं। रायपुर स्थित उनके मकान की तीसरी मंजिल पर उनका परिवार रहता है, जबकि पहली और दूसरी मंजिल पर उनके माता-पिता और बड़े भाई का परिवार रहता है। अनिल के मुताबिक, 28 अक्टूबर को घर की साफ-सफाई



करने वाली महिला मकान में ताला लगाकर चाबी उनकी मां को दे गई थी। 30 अक्टूबर की सुबह मां ने फोन कर बताया कि घर के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ है। रायपुर पहुंचकर देखा तो कमरे की अलमारी और लॉकर भी टूटे मिले। उनमें रखे सोने, चांदी और हीरे के गहने और नकदी गायब थी।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाला। फुटेज की जांच में संदिग्ध की पहचान अनिल के साले प्रियंक उर्फ शुभम पांडे (31) के रूप में हुई। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। शुरुआत में वह लगातार बयान बदलता रहा, लेकिन सबूतों के आधार पर पूछताछ करने पर उसने चोरी करना स्वीकार कर लिया।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि कुछ दिन पहले वह अपनी बहन के साथ जीजा के घर दो दिन रुका था। इस दौरान उसे पता चला कि अलमारी में सोने-चांदी और हीरे के जेवरात के साथ नकदी रखी है। उसे यह भी जानकारी थी कि उसकी बहन कोंडागांव चली गई है और मकान सूना है।

इसके बाद उसने चोरी की योजना बनाई। वारदात के दिन वह दीवार फांदकर घर में घुसा। अपने साथ लाए छोटी ग्राइंडर मशीन से दरवाजे की कुंडी और ताला तोड़ा। फिर अलमारी का लॉकर तोड़कर उसमें रखे गहने और नकदी लेकर फरार हो गया।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने शक से बचने के लिए कुछ जेवर वहीं छोड़ दिए और कपड़ों को व्यवस्थित कर अलमारी में रख दिया था।

पुलिस ने आरोपी प्रियंक उर्फ शुभम पांडे के कब्जे से चोरी के 25 तोला सोने के जेवर बरामद किए हैं। इनकी कीमत करीब 37 लाख रुपए बताई गई है। आरोपी मूल रूप से महासमुंद के कोतवाली थाना क्षेत्र के पंजाबी पारा का रहने वाला है। उसके खिलाफ टिकरापारा थाने में धारा 331(4), 305 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मारपीट और एसईसीएल खदान में डकैती के 6 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा के बांकीमोंगरा में पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें मारपीट के 4 और एसईसीएल बांकी खदान नंबर-4 में डकैती के 2 आरोपी शामिल हैं।

पहले मामले में सूरज कुमार बिंझवार ने 1 नवंबर को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 30 अक्टूबर की रात 9:30 बजे वह अपने साथी दिनेश कुमार बिंझवार के साथ देसी शराब भट्ठी से लौट रहे थे। रास्ते में आरोपियों ने उन्हें रोक लिया और शराब पीने के लिए 500 रुपए मांगे।

पैसे देने से मना करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद बेल्ट और हाथ-



मुक्कों से दोनों की पिटाई की। पुलिस ने अपराध क्रमांक 226/2026 के तहत बीएनएस की धारा 296, 351(3), 119(1) और 191(2) में केस दर्ज किया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए समीर कुर्रे (19), आशीष कुमार पाटले (29), अमन कुमार कुर्रे (24) और हेमलाल कुर्रे (42) को गिरफ्तार किया। चारों मोंगरा बस्ती, बांकीमोंगरा के रहने वाले हैं। समीर कुर्रे के पास से घटना में इस्तेमाल बेल्ट भी जब्त की गई। चारों को 2 नवंबर को जेल भेज दिया गया।

दूसरे मामले में सुरक्षा गार्ड व्यासनारायण चौहान ने 28 अक्टूबर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 26 और 27 अक्टूबर की दरम्यानी रात करीब नकाबपोश लोग बांकी खदान नंबर-4 में घुस गए।

आरोपियों ने चौकीदारों को बंधक बनाकर उनके मोबाइल फोन छीन लिए। इसके बाद गैस कटर से स्टोर में रखे लोहे के रैक और पाइप काटकर ले गए। चोरी गए सामान की कीमत करीब 28 हजार रुपए बताई गई है।

पुलिस ने अपराध क्रमांक 223/2026 के तहत बीएनएस की धारा 310(2), 127(2), 317(3) और 317(5) में केस दर्ज किया था। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर राहुल विश्वकर्मा (22) और आकाश साहू (20) को गिरफ्तार किया गया।

राहुल पिकअप चालक है, जबकि आकाश कबाड़ दुकान संचालित करता है। पुलिस ने उनके पास से पिकअप वाहन, गैस कटर, ऑक्सीजन सिलेंडर और 2 मोबाइल फोन जब्त किए। दोनों आरोपियों को भी जेल भेज दिया गया।

शराब पीने के लिए 500 न देने पर बदमाशों ने दो युवकों को पीटा

कोरबा। शराब पीने के लिए 500 रुपये नहीं देना दो युवकों को भारी पड़ गया। बदमाशों ने उन्हें रास्ते में रोककर पहले रुपयों की मांग की। इनकार करने पर गाली-गलौज करते हुए बेल्ट और मुक्कों से जमकर मारपीट की। मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। सूरज बिंझवार अपने साथी दिनेश कुमार बिंझवार के साथ बांकीमोंगरा देसी शराब दुकान से लौट रहा था। रास्ते में आरोपियों ने दोनों को रोक लिया और शराब पीने के लिए 500 रुपये मांगे। युवकों ने रुपये देने से मना किया तो आरोपियों ने अश्लील गाली-गलौज शुरू कर दी। इसके बाद हाथ-मुक्कों और बेल्ट से हमला कर दोनों की पिटाई की।

राजमिस्त्री की संदिग्ध मौतः घर के आंगन में मिली लाश, जांच में जुटी पुलिस

अंबिकापुर। सरगुजा जिले से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक राजमिस्त्री की लाश खून से लथपथ मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी। यह पूरा मामला लखनपुर थाना क्षेत्र का है। मृतक की पहचान अंगत चौधरी पिता घूर साय उम्र 40 वर्ष के रूप में हुई है, जो कि रजपुरी कला गांव के टिकरापारा का रहने वाला था और पेशे से राजमिस्त्री था। बताया जा रहा है कि अंगत घर में अकेले रहता था।

मंगलवार सुबह 8 बजे उसकी लाश खून से लथपथ हालत में उसके ही घर के आंगन में मिली।



इतना ही नहीं पूरे कमरे में खून के छिटे और सामान बिखरे मिले, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। घटना के बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस, फॉरेंसिक और डॉग स्क्वायड की टीम मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म के आरोपी को सात साल की सजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कोतवाली थाना दुर्ग अंतर्गत शादी का प्रलोभन देकर पीड़िता से शारीरिक संबंध बनाने वाले को न्यायालय ने 7 साल कैद और 1 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया। राशि अदा नहीं करने पर उसे 15 दिन की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। न्यायाधीश अवध किशोर के न्यायालय से यह फैसला आया। घटना 24 मार्च 2025 की है। आरोपी डबरापारा निवासी योगेश पिता रिखीराम अपनी बुआ के घर आया हुआ था। घर में सूनेपन का फायदा उठाते हुए आरोपी पीड़िता के घर में घुसा।



इसके बाद शादी का प्रलोभन देकर शारीरिक संबंध बनाया। बाद में फोन बंद कर दिया।

इसके बाद पीड़िता ने परिजनों के साथ थाने में पहुंचकर मामले की शिकायत की। पुलिस ने मामले में धारा 69 के तहत अपराध दर्ज कर किया। प्रकरण विवेचना के लिए न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से आरोपी पर दोषी पाया गया। मामले में शासन की तरफ से पैरवी संजय कुमार सिंह ने की।

रायगढ़ से रायपुर जा रहे 5 टन लोहे की हेराफेरी, ड्राइवर समेत 3 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। रायगढ़ के गेरवानी स्थित चंद्रहासिनी इस्पात प्लांट से रायपुर भेजे जा रहे करीब 39 टन लोहे में से 5 टन की हेराफेरी कर दी गई। ट्रक से लोहे के दो क्रायल उतारकर गैरेज में छिपा दिए गए थे। मामले में पूंजीपथरा पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से करीब 5 लाख रुपए कीमत के दो क्रायल बरामद किए गए हैं।

पुलिस के मुताबिक, 22 सितंबर को चंद्रहासिनी इस्पात प्राइवेट लिमिटेड के सेल्स एग्जीक्यूटिव अर्पित पाण्डेय (28) ने शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 9 सितंबर को प्लांट से पवन पुत्र ट्यूब्स, रायपुर के लिए ट्रक में 38.900 टन लोहा लोड कर भेजा गया था। 11 सितंबर को ट्रक चालक मुरली साहू रायपुर पहुंचा।



धर्मकांटा में वजन कराने पर करीब 5 टन माल कम मिला। इसके बाद चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया।

शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान 30 अक्टूबर को चालक मुरली साहू को गेरवानी क्षेत्र से हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में पता चला कि मुरली ने अपने भाई चेतन साहू उर्फ रामजाने (30), निवासी ग्राम देवरी, जिला रायपुर को अपना ड्राइविंग लाइसेंस और अन्य दस्तावेज इस्तेमाल करने के लिए दिए थे। पुलिस ने जानबूझकर दस्तावेज उपलब्ध कराने और अपराध में सहयोग करने के आरोप में मुरली साहू को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया।

इसके बाद पुलिस ने चेतन साहू को हिरासत में लेकर पूछताछ की। उसने बताया कि रायगढ़ में उसकी मुलाकात अजीत पेट्रोल पंप के पास हरिओम गैरेज की देखरेख करने वाले संतोष गुप्ता (25), निवासी बाईपास रोड दरोगामुड़ा से हुई थी।

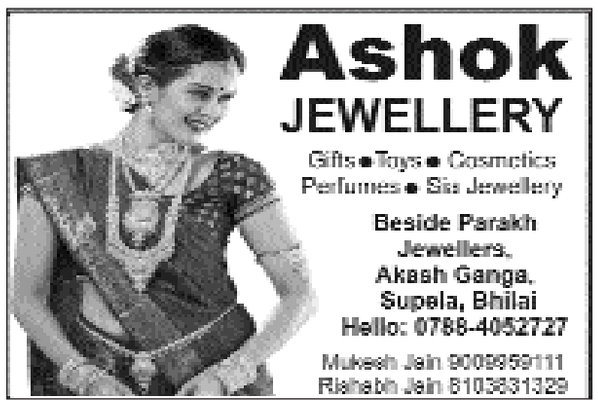
पुलिस के मुताबिक, दोनों ने मिलकर बाईपास रोड के उबड़-खाबड़ रास्ते में ट्रक से लोहे के दो क्रायल गिराने और बाद में उन्हें बेचने की योजना बनाई थी। इसी योजना के तहत 9 सितंबर को चेतन ने अपने भाई मुरली के लाइसेंस का इस्तेमाल कर प्लांट से ट्रक निकाला और रास्ते में दोनों क्रायल उतार दिए। बाद में संतोष ने उन्हें हरिओम गैरेज में छिपा दिया।

चेतन से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने गैरेज में दबिश दी और संतोष गुप्ता को हिरासत में लिया। पूछताछ और आरोपियों के मेमोरेंडम कथन के आधार पर गैरेज से करीब 5 टन वजन के दो बंडल लोहे के क्रायल बरामद किए गए। इनकी कीमत करीब 5 लाख रुपए बताई गई है।

पुलिस ने मुरली साहू, चेतन साहू उर्फ रामजाने और संतोष कुमार गुप्ता को गिरफ्तार किया है। संतोष और चेतन को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

डिजिटल अरेस्ट कर 32 लाख ठगे, 2 आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर। जिले में 32 लाख रुपए के डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड मामले में साइबर सेल और जांजगीर पुलिस ने इंदौर से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इससे पहले पुलिस पंजाब से भी एक आरोपी को गिरफ्तार कर चुकी है। आरोपियों से मोबाइल फोन, बैंक खातों से जुड़े दस्तावेज और अन्य सामग्री जब्त की गई है। जांजगीर निवासी तुषारकर देवांगन ने साइबर ठगी की शिकायत दर्ज कराई थी। इस पर जांजगीर पुलिस ने बीएनएस की धारा 318(4), 3(5) और आईटी एक्ट की धारा 66डी के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की। बैंक खातों और डिजिटल ट्रेल की जांच में ठगी की रकम स्लाइस स्मॉल फाइनेंस बैंक के खातों में ट्रांसफर होने की जानकारी मिली। स्थानीय पुलिस की मदद से सौम्य जैसवार (21), और देवराज अमकरे (24) को पकड़ा गया।







राज्य अलंकरण एवं राज्योत्सव

समापन समारोह 2026



श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

मुख्य अतिथि
श्री अमित शाह
माननीय केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार

अध्यक्षता
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

विशिष्ट अतिथि
श्री अरुण साव
माननीय उप मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री विजय शर्मा
माननीय उप मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

एवं

समस्त माननीय मंत्री, सांसद, विधायक, निगम, मंडल, आयोग, जिला पंचायत के माननीय अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यगण, माननीय महापौर की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित है।

03 नवंबर 2026

सायं 6.00 बजे

राज्योत्सव मैदान, नवा रायपुर अटल नगर, छत्तीसगढ़

सुशासन समृद्धि समावेशी विकास

संवर रहा छत्तीसगढ़



पीएम आवास योजना
24.54 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को पक्की छत

रेलवे का विस्तार
₹54,000 करोड़ की रेल परियोजनाओं का क्रियान्वयन

डेस्टिनेशन छत्तीसगढ़
छत्तीसगढ़ में पर्यटन को उद्योग का दर्जा ट्राइबल हेरिटेज व ईको टूरिज्म को बढ़ावा

जनजातीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहन
बस्तर एवं सरगुजा ओलंपिक, बस्तर पण्डुम का निरंतर आयोजन

महतारी वंदन योजना
68 लाख महिलाओं को ₹20,708 करोड़ से अधिक की राशि अंतरित

कृषक कल्याणकारी योजनाओं से
₹1.5 लाख करोड़ से अधिक की राशि किसानों को अंतरित

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा
बस्तर-सरगुजा के 815 गाँवों तक सुलभ परिवहन सुविधा

शहीद वीर गुंडाधुर सेवा डेरा
75 सुरक्षा कैंप बन रहे सेवा के केंद्र

CM हेल्पलाइन 1076

सीएम हेल्पलाइन 1076
हर शिकायत की सुनवाई
हर समस्या का समाधान

सेवा सेतु
जनता के द्वार, डिजिटल सरकार

38 विभागों की 953 सेवाएं
एक ही प्लेटफॉर्म पर

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

RO- 49677/104

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क | Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950